



# श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज  
रखें करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagwl.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 85 ग्वालियर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

## सुशासन संवाद में बोले डॉ. यादव, स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिलेगा ऋण लेने का अवसर; सिंहस्थ-2028 की तैयारियां जारी बहनों को अब तक 65 हजार करोड़ की सहायता, किसानों व गरीबों का सशक्तीकरण प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माता-बहनों, किसानों और गरीबों को दी जा रही आर्थिक सहायता समाज के सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हमारी सरकार अब तक लाइली बहनों को 65 हजार करोड़ रुपए की सहायता दे चुकी है। किसानों के साथ पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर बने मकानों की निःशुल्क रजिस्ट्री की पहल से लोगों को अपने मकान पर बैंक से ऋण लेने का अवसर मिलेगा। इससे वे व्यापार और अन्य आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा सकेंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में आयोजित मीडिया समूह

के कार्यक्रम 'सुशासन संवाद 3.0' में ये विचार व्यक्त किए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान लाइली बहना योजना, जनकल्याण और विकास के बीच वित्तीय संतुलन, सिंहस्थ-2028 की तैयारियों तथा अंतरराज्यीय संबंधों पर चर्चा हुई।

**मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था देश में सबसे अच्छी :** मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास किया गया है। पहले स्कूलों में विद्यार्थियों के बैठने के लिए टाट-पट्टी तक की व्यवस्था नहीं थी, जबकि अब आधुनिक सुविधाओं, बहुमंजिला भवनों और बेहतर शैक्षणिक संसाधनों से युक्त विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों को



गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा और राष्ट्रभक्ति के संस्कार प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि आचार्य सांदीपनि शिक्षा, ज्ञान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता से जुड़ी उनकी परंपरा विद्यार्थियों में मित्रता, संस्कार और गुरु-शिष्य संबंधों को मजबूत करने की प्रेरणा

देती है। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र निर्माण का आधार भी है।

**केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड को लाभ :** मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा राज्यों के बीच सौहार्दपूर्ण प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने की है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश सरकार ने पूरे बुंदेलखंड

के विकास के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना की योजना बनाई है। करीब एक लाख करोड़ रुपए की इस परियोजना से क्षेत्र को व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है।

**सिंहस्थ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान :** मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए आवागमन, घाट, स्नान और दर्शन सहित सभी व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। उज्जैन की आबादी करीब आठ से दस लाख है, जबकि सिंहस्थ के दौरान लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसी के अनुरूप व्यवस्थाओं और आधारभूत ढांचे को विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महाकाल महालोक बनने के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। पिछले वर्ष करीब

सात करोड़ लोग उज्जैन पहुंचे, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। सिंहस्थ के लिए ऐसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं, जो भविष्य में भी उपयोगी साबित हों।

**राष्ट्र की चिंता पत्रकारिता का आधार :** कार्यक्रम के आरंभ में पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा कि देश में पत्रकारिता का आधार हमेशा राष्ट्र की चिंता रहा है। इसी कारण अनेक स्वतंत्रता सेनानी पत्रकारिता से जुड़े। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का पांचजन्य और ऑर्गेनाइजर जैसी पत्रिकाओं के सृजन से जुड़ाव रहा। उन्होंने कहा कि सुशासन संवाद का आयोजन देश और समाज से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से किया गया है।

एमएलबी कॉलेज में 'जन सुरक्षा युवा-सृजन संवाद' कार्यशाला, 150 विद्यार्थियों ने लिया भाग

## कानून, साइबर सुरक्षा और महिला संरक्षण के प्रति जागरूक हुए विद्यार्थी

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर पुलिस और उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल पर एमएलबी कॉलेज के अटल बिहारी सभागार में 'जन सुरक्षा युवा-सृजन संवाद' कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें करीब 150 विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। आठ विषयगत सत्रों में विद्यार्थियों को संविधान, नागरिक अधिकारों, महिला एवं बाल संरक्षण, साइबर अपराधों से बचाव, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, आपातकालीन सहायता और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित



जानकारी दी गई।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देशन में 24 अक्टूबर को आयोजित कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर ने विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक रहकर

जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम केवल अपराधों पर नियंत्रण करना नहीं, बल्कि आमजन में सुरक्षा की भावना विकसित करना और जरूरत के समय सहायता उपलब्ध कराना भी है। विद्यार्थियों को कानून का

सम्मान करने और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने की सलाह दी गई।

**आठ सत्रों में दी सुरक्षा की जानकारी :** कार्यशाला में डॉ. ज्योत्सना राजपूत ने संविधान, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी। एडीपीओ मुरारी लाल गुप्ता ने आपराधिक न्याय व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के बारे में बताया। एसडीओपी घाटीगांव शैलेन्द्र शर्मा ने महिला एवं बाल संरक्षण और कमजोर वर्गों की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया।

## शीतला माता मंदिर हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि



ग्वालियर जीएनएस

शीतला माता मंदिर में हुए हृदयविदारक हादसे के चलते श्रीराम हिंदू सेना ने 25 अक्टूबर को प्रस्तावित दशहरा चल समारोह स्थगित कर दिया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रविवार को पड़ाव स्थित लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर मोमबत्तियां जलाकर हादसे में दिवंगत श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मृतकों की आत्मशांति के लिए प्रार्थना की गई।

श्रद्धांजलि सभा में श्रीराम हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र शिंदे, राष्ट्रीय महामंत्री विजय हलचल, राष्ट्रीय सचिव मुकेश जैन, राष्ट्रीय संरक्षक बीके शिंदे, प्रदेश संगठन मंत्री बंटी गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष विनय शर्मा, जिलाध्यक्ष दिनेश तोमर, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद यादव, प्रदेश मंत्री संजय शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अनिल राव पिसाल और जिला मंत्री दीपेंद्र सोकरवार

**श्रीराम हिंदू सेना ने दशहरा चल समारोह स्थगित कर मोमबत्तियां जलाकर किया नमन**

सहित संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नितिन कन्नौजिया, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप बाथम, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष किरण भदौरिया, प्रदेश महामंत्री रानी गौर, संगठन मंत्री गुड्डन बाथम, प्रदेश सहमंत्री सुनीता कुशवाहा, संभागीय उपाध्यक्ष भागवती कुशवाहा, संभागीय गोरक्षक सुनील नामदेव, भूपेंद्र झा और अंशुल गोयल सहित शहर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## हिंदू महासभा भवन में मनी शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती

ग्वालियर जीएनएस

दौलतगंज स्थित हिंदू महासभा भवन में शरद पूर्णिमा और महर्षि वाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू सेन मुख्य अतिथि रहे, जबकि संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता ने अध्यक्षता की। विशेष अतिथि के रूप में संभागीय संगठन मंत्री मुकेश बघेल, जिला महामंत्री चंद्रशेखर दंडवते और जिला युवा महामंत्री



धर्मेन्द्र बरेलिया उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथियों ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने रामायण के माध्यम

से समाज को आदर्श, संस्कार और एकता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज को बांटने वाली प्रवृत्तियों से सावधान रहते हुए महर्षि वाल्मीकि के बताए मार्ग पर

चलना चाहिए। इस अवसर पर हेमराज जाटव और धर्मेन्द्र बरेलिया को श्रीरामचरितमानस भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान 20 दिसंबर को गीता जयंती के अवसर पर सुबह 9 बजे हिंदू महासभा भवन, दौलतगंज से निकलने वाली भगवान श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा के पंजीयन का शुभारंभ भी किया गया। पंडित देवेन्द्र कुमार पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंजीयन प्रक्रिया का शुभारंभ कराया।

# जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता : चंबल आयुक्त

**सुमावली में मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर आयोजित, 191 आवेदन प्राप्त, 163 का निराकरण मुरैना, जीएनएस।**  
मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत शुरुवार को जौरा विकासखंड की ग्राम पंचायत सुमावली में जन-विश्वास शिविर आयोजित किया गया। चंबल आयुक्त श्री मनोज खत्री एवं कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर

समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शिविर में कुल 191 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 163 का निराकरण किया गया। चंबल आयुक्त श्री खत्री ने कहा कि जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के बीच पहुंचाकर उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बरतते हुए प्राप्त

आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की मैदानी स्तर पर समीक्षा करें। शिविर में ग्रामीणों द्वारा तालाब एवं खेल मैदान से संबंधित समस्याएं प्रस्तुत की गईं। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का परीक्षण करने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त की और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री जागिड़ ने

भी अधिकारियों को आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर अनावश्यक विलंब के बिना निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।  
**विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश**  
चंबल आयुक्त एवं कलेक्टर ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय सुमावली का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को साइकिल, पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति एवं गणवेश वितरण तथा मध्याह्न भोजन योजना की जानकारी दी। कक्षा में

स्मार्ट टीवी बंद पाए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य को उसे तत्काल ठीक कराकर नियमित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिल सके।  
स्वास्थ्य शिविर में 125 ग्रामीणों का परीक्षण  
जन-विश्वास शिविर के साथ आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 125 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं तथा आवश्यकतानुसार उपचार उपलब्ध कराया गया। ग्रामीणों को

एलोपैथिक, होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक पद्धतियों से उपचार की सुविधा भी प्रदान की गई।  
शिविर में पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, वनमंडलाधिकारी श्री हरिशचंद्र बघेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश कुमार भार्गव, एसडीएम जौरा श्री शुभम शर्मा, ग्राम पंचायत सुमावली की सरपंच श्रीमती गिरिजा शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## घर में पटाखों का अवैध रूप से भंडारण कर रखने वाले चार आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई कर पुलिस ने अवैध पटाखें किए जप्त

**ग्वालियर, जीएनएस।**  
दीपावली एवं आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह, भापुरे के निर्देश पर जिले में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाकर कार्बाइड गन, अवैध एवं प्रतिबंधित पटाखों और विस्फोटक सामग्री के अवैध निर्माण, भंडारण, बिक्री एवं उपयोग के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 24.10.2026 को मोहना पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि नीलगर मोहल्ला मोहना में एजाद खान नाम का व्यक्ति अवैध पटाखे रखे है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर से अति० पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री जयराज कुबेर को थाना मोहना पुलिस की टीम से मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही कराने हेतु निर्देशित किया गया।  
वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में एसडीओपी घाटीगांव श्री शैलेन्द्र शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मोहना निरी० विनय सिंह तोमर के द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर कार्यवाही हेतु भेजा गया। पुलिस टीम ने मुखबिर के बताये स्थान नीलगर मोहल्ला मोहना

स्थित घर पर जाकर देखा तो घर पर चार व्यक्ति उपस्थित मिले, जिनसे नाम व पता पूछने पर उन्होंने अपने नाम (1) एजाद खान पुत्र स्व.सुल्तान खान उम्र 60 साल (2) तालिम खान पुत्र स्व.मिस्टर खान उम्र 25 साल (3) अरमान खान पुत्र स्व.नथ्ये खान उम्र 27 साल निवासी (4) सलीम खान पुत्र स्व. इस्माईल खान उम्र 50 साल निवासीगण नीलगर मोहल्ला मोहना ग्वालियर का होना बताया।  
पुलिस द्वारा घर की तलाशी लेने पर बरामदे में तीन कट्टों में पटक कर फोड़ने वाले पटाखे व एक कट्टा में बत्ती वाले पटाखे भरे मिले। पुलिस द्वारा एजाद खान व अन्य तीनों से उक्त पटाखों के संबंध में लायसेंस मांगा गया जो कोई लायसेंस नहीं होना बताया। उक्त आरोपियों का यह कृत्य धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम 1884 का पाया जाने से आरोपियों के कब्जे से 210 नग बत्ती वाले पटाखें एवं 6800 नग पटक कर फोड़ने वाले पटाखे कुल जप्त पटाखे कीमती लगभग 8300/- रुपये के जप्त किये गये। पुलिस द्वारा चारों आरोपियों के खिलाफ थाना मोहना में धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम 1884 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

## गजरा राजा स्कूल में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा नैतिक शिक्षा कार्यक्रम संपन्न

**ग्वालियर, जीएनएस।**  
विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में स्थानीय गजरा राजा स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं चरित्र निर्माण हेतु एक भव्य नैतिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन मुख्य अतिथि एवं अधिकारीगण -  
मुख्य अतिथि - श्रीमती अर्चना सिकरवार जी (प्रांतीय टोली सदस्य, विशेष संपर्क आयाम - मध्य भारत प्रांत)  
कार्यक्रम अध्यक्ष - श्री पप्पू राठौर जी (वरिष्ठ पदाधिकारी, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल)  
विशेष अतिथि - श्रीमती उषा सिंह जी (प्राचार्या/प्रिंसिपल, गजरा राजा स्कूल)  
मंच संचालक - श्री चेतन



मीणा जी (जिला सह मंत्री, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल)  
संयोजक/नेतृत्वकर्ता - श्री सूरज शाक्य जी (जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल)  
अतिथियों के ओजस्वी एवं प्रेरणादायी विचार -  
1. मुख्य अतिथि - श्रीमती अर्चना सिकरवार जी ने कहा -  
किताबी ज्ञान व्यक्ति को डिग्री तो दे सकता है, लेकिन समाज में आदर और सही दिशा केवल %नैतिक मूल्य% ही दिलाते

हैं। जैसे एक मजबूत नींव के बिना विशाल इमारत खड़ी नहीं हो सकती, वैसे ही बिना संस्कारों के श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण असंभव है।  
2. कार्यक्रम अध्यक्ष - श्री पप्पू राठौर जी ने कहा -  
आज के दौर में केवल बुद्धिमान होना काफी नहीं है, बल्कि %गुणवान% और %संस्कारवान% होना सर्वोपरि है। युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हैं। यदि हमारी युवा पीढ़ी अनुशासन, देशप्रेम और नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में उतारेगी, तो भारत को पुनः विश्व

गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।  
3. प्राचार्या - श्रीमती उषा सिंह जी ने कहा -  
विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र गढ़ने की प्रयोगशाला है। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा आयोजित यह नैतिक शिक्षा सत्र विद्यार्थियों के मन मस्तिष्क में एक नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार करेगा।  
4. मंच संचालक श्री चेतन मीणा जी एवं संयोजक श्री सूरज शाक्य जी का संदेश -  
कार्यक्रम का ओजस्वी संचालन करते हुए श्री चेतन मीणा जी ने कहा कि +संस्कारहीन शिक्षा दिशाहीन समाज का निर्माण करती है।- वहीं, कार्यक्रम का सफल नेतृत्व कर रहे।

## अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत सामुदायिक सहभागिता पर कार्यक्रम आयोजित

**श्रयोपुर, जीएनएस।**कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत प्रेरणा वृद्धाश्रम में संवेदनशीलता एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत आज वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता, पारिवारिक एवं सामुदायिक सहयोग की भावना विकसित करने, संवाद स्थापित करने तथा सांस्कृतिक व मनोरंजनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने बुजुर्गों के पास बैठकर उनसे सीधा संवाद किया और उनके जीवन के खड़े-मीठे अनुभवों व संस्मरणों को सुना। कई बुजुर्गों ने अपने पुराने दिनों के गीत और कविताएं सुनाकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम की जिला अधिकारी सुश्री विनीता चौधरी एवं वॉलंटियर श्री शिवकुमार दौहरे उपस्थित रहे। साथ ही जन अभियान परिषद से जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती शाहीन परवीन एवं नवांकुर संस्था के वॉलंटियर श्री नीतेश भारद्वाज, श्री दिनेश मीणा, श्री कल्याण मारू एवं श्री दिलीप सिंह ने सहभागिता की।

## तकनीक से होगा पराली प्रबंधन, सभी से सहयोग की अपील

**श्रयोपुर, जीएनएस।**  
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि धान की फसल कटाई पश्चात् पराली में आग न लगाये, क्योंकि इससे पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ भूमि की उर्वरता एवं उत्पादकता में कमी होती है। किसान भाई कुछ उपयोगी कृषि यंत्रों जैसे बेलर, रीपर कम बाइंडर, स्ट्रॉपर, सुपर सीडर एवं जीरो टिलेज, सीड ड्रिल के उपयोग से पराली का प्रबंधन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिले में धान के बढ़ते रकबे को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक है कि पराली का उचित प्रबंधन किया जाए जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि तकनीकी के माध्यम से पराली का प्रबंधन किया जाए तथा जिले में उपलब्ध कृषि यंत्रों के साथ ही बाहर के बेलर

संचालकों से चर्चा कर उन्हें पराली की कटाई के लिए आमंत्रित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिले में धान के व्यापक उत्पादन के दृष्टिगत रख दूरगामी उपायों के तहत जिले में सीबीजी प्लांट की स्थापना के लिए भी प्रोत्साहन प्रदान किया जायेगा।  
बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती मेधा तिवारी, एसडीओपी श्री आनंद कुमार राय, उप संचालक कृषि श्री आरके सिंह, जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति के सभापति श्री गिरधारी बैरवा, भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष श्री नरेन्द्र चौधरी, सहायक कृषि यंत्री श्री नवीन कुमार सहित प्रगतिशील



किसान, स्थानीय बेलर संचालक आदि उपस्थित थे।  
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि जिले में किसानों के पास 443 कृषि यंत्र उपलब्ध हैं, जिनमें बेलर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ रीपर जैसे उपकरण शामिल हैं, 64 कस्टम हायर सेंटर भी संचालित हैं, जिनके पास उपलब्ध उपकरणों के

माध्यम से पराली का प्रबंधन किया जाए, इसके साथ ही सीबीजी प्लांट से जुड़े बाहर के बेलर संचालकों को पराली की कटाई के लिए आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि अनुदान पर स्ट्रॉपर की उपलब्धता के लिए उनके माध्यम से कृषि अभियांत्रिकी विभाग को पत्र भेजा जाए, जिले में पराली का

उपयोग कर पेटलेट्स बनाने वाली 6 इकाइयों के संचालकों के साथ बैठक कर सहयोग लिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने जागरूकता अभियान को और अधिक गति देने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में दीवार लेखन के साथ ही पराली प्रबंधन में उपयोगी कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया जाए तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर डिजिटल माध्यम से जागरूकता सम्बन्धी वीडियो प्रसारित कराए जाए।  
उप संचालक कृषि श्री आरके सिंह ने बताया कि जिले में 97979 हेक्टेयर धान का रकबा है, इसे दृष्टिगत रखते हुए पराली को जलने से रोकने के लिए कारगर रणनीति तैयार की गई है। बाहर के बेलर संचालकों से चर्चा की गई है तथा 25 अक्टूबर तक 10 बेलर

जिले में उपलब्ध हो जायेंगे, जिनके द्वारा निशुल्क रूप से पराली की कटाई की जायेगी। इसके साथ ही ओर भी बेलर संचालकों से संपर्क कर चर्चा की जा रही है।  
इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पराली जलाने की घटनाओं को प्रतिबंधित कर ज़ुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। इस संबंध में किसानों को जागरूक किया जा रहा है कि पराली न जलायें, पराली जलाने वाले किसानों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्जकर ज़ुर्माने की कार्यवाही की जा सकती है। दो एकड़ से कम जमीन पर 2500 रुपये, 2 से 5 एकड़ जमीन पर 5000 रुपये एवं 5 एकड़ से अधिक जमीन पर 15000 रुपये का जुर्माना किया जा सकता है।

# रोजगार - स्वरोजगार मेला एवं अप्रेन्टिसशिप युवा संगम 27 को

ग्वालियर, जीएनएस।

युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप 27 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर गदाईपुरा में स्थित जिला रोजगार कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप युवा संगम का आयोजन होगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 20 कंपनियों भर्ती के लिये आ रही हैं। कंपनियों द्वारा आकर्षक पैकेज दिया

जायेगा।

ये कंपनियां आ रही हैं भर्ती करने उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार युवा संगम में भर्ती करने आ रही कंपनियों में बारबीक्यू नेशन, मेनपावर रूप दिल्ली, एल एण्ड टी प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद, सिक्थोर टास्क अहमदाबाद, इंडसंड निपोन लाइफ, प्लेटिनम एचआर सोल्यूशन गुजरात, टीमलीस प्राइवेट लिमिटेड भोपाल, इन्दौर, दिल्ली, जमुना आटो प्राइवेट

लिमिटेड मालनपुर, एस0 आर0 एफ0 प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, जॉबफेयर नाउ प्राइवेट लिमिटेड ब्लिकिट वेयर हाउस प्राइवेट लिमिटेड फारूख नगर गुरुग्राम, कुल कवच वैश्विक सुरक्षा सर्विस अहमदाबाद, ए0 एस0 एम0 हुन्डई प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, एम0 आर0 एफ0 टायर प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद, आरएसटी रूप ऑफ सर्विसेज ग्वालियर, इंदौर व भोपाल, मैडी एज इन्फिनिटी इश्योरेंस भोपाल, केल्विन 6 के टेक्नोलॉजी प्राइवेट

लिमिटेड चेन्नई, आई नोक्स डी.बी. मॉल ग्वालियर, जे0बी0 मंधाराम फूड प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, कोटक महिन्द्रा बैंक ग्वालियर आदि शामिल हैं।

**इन पदों के लिये होगी भर्ती:** इन कंपनियों द्वारा सिक्थोरटी गार्ड, ट्रेनी वर्कर, मशीन ऑपरेटर अस्सिस्टेंट मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर, डिटी मैनेजर इलेक्ट्रीशियन, अभिकर्ता, अप्रेन्टिस ट्रेनी, सैल्स एग्ज्यूकेटिव, फील्ड सैल्स एग्ज्यूकेटिव, ट्रेनीज, ऑफिस मैनेजमेंट, सिक्थोरटी

मैनेजमेंट, पर्यवेक्षक, स्टोर कीपर, कार्यालय सहायक, हेल्पर, सुरक्षा जवान, दूर गाइड, असिस्टेंट मैनेजर, सुपरवाइजर, टेली कॉलर, ड्रायर, प्यून, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में, डिप्लोमा, आई.टी.आई. सभी ट्रेड में सी, फिटर, टर्नर एवं मशीनिष्ट, आई.टी.आई. टैलीकॉलिंग व कम्प्यूटर ऑपरेटर इत्यादि पदों पर भर्ती विभिन्न क्षेत्र के सेक्टर के लिये की जायेगी। रोजगार मेले में 18 वर्ष से 35

वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। वेतनमान 10 हजार से 45 हजार रुपए तक देय होगा।

**यह दस्तावेज साथ में लाने होंगे :** प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने के लिये युवाओं को समग्र आईडी, रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र व बायोडेटा के साथ उपस्थित होना होगा। रोजगार मेले में उपस्थित होने वाले युवक-युवतियों के लिये कार्यालय द्वारा कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

## ब्लैक स्पॉट्स पर निगम की सख्ती, शहर के 04 कचरा प्वाइंट किए गए समाप्त

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लंबे समय से कचरा जमा होने वाले ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार लंबे समय से कचरा जमा होने वाले ब्लैक स्पॉट्स साफ कराये जा रहे हैं जिसमें आज 4 ब्लैक स्पॉट्स साफ कराये गये। अब शहर में 71 स्थानों पर ब्लैक स्पॉट्स हैं जिन्हें भी जल्द साफ किया जावेगा।

मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरा स्थलों को

समाप्त किया जा रहा है। जिसमें नियमित सफाई व्यवस्था के बावजूद कुछ स्थानों पर बार-बार कचरा डाले जाने के कारण ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। ऐसे स्थानों को चिन्हित कर विशेष सफाई कराई जा रही है तथा भविष्य में यहां दोबारा कचरा न जमा हो, इसके लिए निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत आज शुक्रवार को ग्वालियर विधानसभा में गणेश कॉलोनी एवं रेलवे कॉलोनी, पूर्व विधानसभा में यमुना नगर एवं दक्षिण विधानसभा में नयापुरा से कचरा प्वाइंट समाप्त किए गए। नगर निगम द्वारा संबंधित जोनल हेल्थ ऑफिसर एवं वार्ड हेल्थ ऑफिसर को निर्देशित किया गया है कि इन स्थानों पर नियमित निगरानी रखते हुए दोबारा कचरा जमा न होने दें।

## डिवाइडरों एवं रोड साइडों के सौंदर्यीकरण अभियान जारी

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के पार्क विभाग द्वारा शहर के डिवाइडरों एवं सड़क किनारे के क्षेत्रों की साफ-सफाई, व्यवस्थित रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में पार्क विभाग द्वारा निरंतर डिवाइडरों की साफ सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत आज विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित स्थलों पर उद्यान विभाग की टीम के माध्यम से कार्य कराया गया। इसके तहत उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार सिंह राजावत के नेतृत्व में कैन्सर हॉस्पिटल रोड, आमखो हॉस्पिटल कैम्पस, सागरताल चौराहे से पड़आ वाली माता तक कार्य कराया गया। अभियान के माध्यम से शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं सुंदर बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को बनाए रखने के उद्देश्य से कार्य कराया जा रहा है।

## ग्वालियर में भाजपा संगठन में फेरबदल की सुगबुगाहट महानगर अध्यक्ष की कुर्सी पर संकट के बादल

ग्वालियर, जीएनएस।

नगरीय निकाय चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने की कवायद में भाजपा जुट गई है। सूत्रों के हवाले से आ रही खबर के अनुसार आंतरिक सर्वे में ग्वालियर-चंबल संभाग के दो और बुदेलखंड के एक सहित प्रदेश के करीब छह जिलाध्यक्षों की कार्यशैली को कमजोर आंका गया है। खबर है कि इसी सर्वे रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के परामर्श से इन नामों पर बदलाव का मन बनाया जा रहा है।

सबसे ज्यादा चर्चा ग्वालियर

महानगर को लेकर है। सूत्रों के मुताबिक, ग्वालियर महानगर अध्यक्ष का नाम भी लिस्ट में सूत्र बता रहे हैं कि जिन अध्यक्षों को बदला जा सकता है, उस सूची में ग्वालियर महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया का नाम भी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि संगठन में आंतरिक गुटबाजी और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय की कमी जैसे बिंदुओं पर उनकी परफॉर्मेंस को लेकर सवाल उठे हैं।

इसी वजह से महिला मोर्चा और युवा मोर्चा की कार्यकारिणी की घोषणा को भी फिलहाल होल्ड पर रखा गया है, ऐसा सूत्रों का कहना है। ग्वालियर महानगर

अध्यक्ष पद के लिए नए चेहरे को लेकर भी अटकलें तेज हैं। चर्चा है कि विधानसभा अध्यक्ष से जुड़े पारस जैन को कमान दी जा सकती है। जैन नगर निगम से लेकर लोकसभा तक संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। सूत्रों की मानें तो इस पूरे बदलाव पर सांसद भारत सिंह कुशवाहा की सहमति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दत्तिया उपचुनाव में हार के बाद भाजपा संगठन में किसी भी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहती, इसलिए ग्वालियर-चंबल संभाग में होने वाले इस संभावित बदलाव को लोकसभा चुनाव तक की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

## गंदगी फैलाने वालों से वसूला 10500 का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में सड़कों पर गोबर बहाने एवं कचरा फेंकने वालों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को मुरार क्षेत्र में गंदगी फैलाने वालों से 10500 का जुर्माना वसूल किया गया। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते

हुये बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देशन में शहर में सड़कों पर गोबर बहाने एवं कचरा फेंकने वालों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारी पूर्व विधानसभा श्री भीष्म कुमार पमनानी के मार्गदर्शन में जोन क्रमांक 8 अंतर्गत विशेष स्वच्छता

अभियान संचालित किया गया। इस दौरान क्षेत्र में गंदगी फैलाने, अवैध रूप से कचरे में आग लगाने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करते हुए कुल 10,500 रु का चालान अधिरोपित कर राजस्व वसूला गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री दीपांशु करौंसिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## मदाखलत अमले ने हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर के मदाखलत टीम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी के क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में मदाखलत अमले द्वारा शहर में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही कर अतिक्रमण हटाया गया इसके साथ ही अवैध रूप से एवं बिना अनुमति लगे पोस्टर, बैनर एवं कटआउट

हटाए गये। नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया गया कि निगम द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इसके तहत आज शुक्रवार को ग्वालियर पूर्व विधानसभा के अन्तर्गत मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देशन में मुरार 7 न. चौराहा से गर्म सड़क राम मंदिर तक कार्यवाही की इसके बाद थाटीपुर स्वामी विवेकानंद चौराहा के पास

लगे दुकानों के हटाने की शक्त हिदायत दी गई नहीं हटाने पर जब्ती की कार्यवाही की जावेगी और माधव नगर चौराहे पर सामान जब्ती की कार्यवाही की गई जब्त सामग्री को मदाखलत कार्यालय जमा कराया गया।

इसके साथ ही दक्षिण विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत बेलदार का पुरा गोल पहाड़िया पर एस डी एम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव के समक्ष भवनो एवं स्थायी अतिक्रमण

की तुड़ाई की कार्यवाही हेतु उपस्थित हुए जिसमें मदाखलत अधिकारी दक्षिण विधानसभा के साथ संबंधित क्षेत्राधिकारी, मदाखलत निरीक्षक संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी, एवं दक्षिण और ग्वालियर विधानसभा का अमला मौजूद रहा। ग्वालियर विधानसभा अन्तर्गत हजीरा चौराहा, इंटक मैदान के बाहर, चार शहर का नाका किला गेट रोड सहित विभिन्न स्थानों पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेले फुटपाथी दुकानों को

एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाही की गई और दोबारा अतिक्रमण ना करने की हिदायत की गई वहीं ग्रामीण विधानसभा अन्तर्गत पिन्टू पार्क से एयरपोर्ट रोड तक झण्डी बैनर निकालने की कार्यवाही की गई साथ ही मवेशी दल-कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शहर भर से लम्पीग्रस्त गौवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेन्टर रतवाई गौशाला छोड़ा गया।

**भिण्ड-गोस्मी**  
के  
**समाचार**  
**विज्ञापन**  
के लिए सम्पर्क करें  
**महेश चौधरी**  
**98267-36233**

**श्रीजी**  
Har Khushi Ki Pahali Pasand  
Soya Chunks, PASTA, POHA, MAACHA, ATTA  
SCAN TO SHOP  
OUR NEW PRODUCT

# श्रमसाधना

## संपादकीय

### महिलाओं की समझदारी- धारणा या वैज्ञानिक तथ्य?

क्या महिलाएँ पुरुषों से अधिक समझदार होती हैं? यह सवाल पीढ़ियों से लोगों की दिलचस्पी का विषय रहा है। आमतौर पर महिलाओं को भावनात्मक रूप से समझदार, धैर्यवान, संवेदनशील और एक साथ कई जिम्मेदारियों निभाने में सक्षम माना जाता है। दूसरी ओर, पुरुषों को अक्सर तार्किक, विश्लेषण करने वाला और निर्णय लेने में दृढ़ समझा जाता है। लेकिन इन धारणाओं में कितनी सच्चाई है? क्या महिलाओं की समझदारी केवल एक सामाजिक धारणा है या विज्ञान भी इस विचार का समर्थन करता है कि महिलाएँ लोगों और परिस्थितियों को समझने में कुछ विशिष्ट क्षमताएँ रखती हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए बुद्धिमत्ता, भावनात्मक समझ, निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक अनुभवों के प्रभाव का संतुलित दृष्टिकोण से विश्लेषण करना आवश्यक है। बुद्धिमत्ता कोई एक गुण नहीं है, जिसे केवल एक क्षमता के माध्यम से मापा जा सके। इसमें तार्किक सोच, भाषायी योग्यता, स्मरण शक्ति, रचनात्मकता, समस्याओं का समाधान, भावनात्मक जागरूकता और अनुभवों से सीखने की क्षमता शामिल हैं।

वैज्ञानिक शोध सामान्यतः इस व्यापक दावे का समर्थन नहीं करता कि महिलाएँ या पुरुष हर दृष्टि से एक-दूसरे से अधिक बुद्धिमान होते हैं। दोनों समूहों के व्यक्तियों में काफी अंतर होता है और प्रत्येक व्यक्ति की क्षमताएँ अलग-अलग हो सकती हैं।

कुछ अध्ययनों में विशेष मानसिक कार्यों के दौरान औसत अंतर सामने आए हैं, लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि कोई एक लिंग स्वाभाविक रूप से अधिक समझदार है। समझदारी में केवल बुद्धिमत्ता ही नहीं, बल्कि सही निर्णय लेना, धैर्य, आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों को समझना भी शामिल है।

एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें महिलाएँ कुछ क्षमताओं के मामले में औसतन बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ शोधों के अनुसार महिलाएँ चेहरे के भाव पहचानने, भावनात्मक संकेतों को समझने और बिना बोले व्यक्त किए गए संदेशों की व्याख्या करने वाले कुछ कार्यों में औसतन बेहतर हो सकती हैं। हालाँकि, ये अंतर प्रत्येक व्यक्ति में नहीं पाए जाते और महिलाओं तथा पुरुषों की क्षमताओं में काफी समानता भी होती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता व्यक्ति को अपनी भावनाएँ समझने, दूसरों की भावनाओं को पहचानने और उचित व्यवहार करने में सहायता करती है। परिवार, कार्यस्थल और समाज में यह क्षमता गलतफहमियाँ दूर करने, रिश्तों को मजबूत बनाने और विवादों को सुलझाने में सहायक होती है।

फिर भी, सहानुभूति केवल महिलाओं का गुण नहीं है। पुरुष भी उतने ही देखभाल करने वाले, भावनात्मक रूप से संवेदनशील और सहयोगी हो सकते हैं। पारिवारिक वातावरण, शिक्षा, व्यक्तिगत अनुभव और सांस्कृतिक अपेक्षाएँ इस बात को प्रभावित करती हैं कि व्यक्ति भावनात्मक क्षमताओं का विकास किस प्रकार करता है। कई समाजों में महिलाएँ परंपरागत रूप से बच्चों की देखभाल, घरेलू प्रबंधन और पारिवारिक संबंधों की बड़ी जिम्मेदारियाँ निभाती रही हैं।

प्रांतीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर  
जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रांतीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रांतीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

# शरद पूर्णिमा : चांदनी की शीतलता में आस्था, प्रेम और समृद्धि का संदेश

महेन्द्र तिवारी

शरद ऋतु की निर्मल रात, आकाश में चमकता पूर्ण चंद्रमा और धरती पर बिखरी चांदनी का सौंदर्य मन को सहज ही आकर्षित करता है। भारतीय संस्कृति में आश्विन मास की पूर्णिमा का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। यह पर्व प्रकृति की सुंदरता, धार्मिक आस्था और जीवन में प्रेम व सद्भाव के महत्व को रेखांकित करता है।

वर्षा ऋतु के बाद स्वच्छ आकाश, वातावरण में हल्की ठंडक और चंद्रमा की शीतल रोशनी शरद पूर्णिमा को विशेष बनाती है। भारतीय लोकजीवन में चंद्रमा को शांति, सौम्यता, प्रेम और मानसिक संतुलन का प्रतीक माना गया है। इस रात का सौंदर्य मानो प्रकृति के उत्सव का अनुभव कराता है। यही कारण है कि सदियों से यह पूर्णिमा भारतीय जनमानस में विशेष स्थान रखती आई है।

खीर की परंपरा और लोकविश्वास शरद पूर्णिमा से जुड़ी सबसे प्रचलित परंपराओं में रात को खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखना शामिल है। दूध, चावल और चीनी से बनी खीर को चांदनी में रखने के बाद सुबह प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है और परिवार के सदस्यों में बांटा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी किरणों से अमृत बरसता है। हालाँकि, चंद्रकिरणों से खीर में अमृतमय गुण



आने की धारणा आस्था और परंपरा से जुड़ी है, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं।

इस परंपरा का सामाजिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। परिवार के सदस्य एक साथ बैठते हैं, बातचीत करते हैं और उत्सव की खुशियाँ साझा करते हैं। इस प्रकार एक धार्मिक परंपरा पारिवारिक आत्मीयता और सामूहिकता को भी मजबूत करती है।

**कोजागरी पूर्णिमा और मां लक्ष्मी की आराधना**

शरद पूर्णिमा का एक प्रमुख पक्ष मां लक्ष्मी की पूजा है। 'कोजागरी' शब्द का संबंध संस्कृत के प्रश्न 'को जागति?' अर्थात् 'कौन जाग रहा है?' से माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जागकर श्रद्धापूर्वक पूजा करने वाले भक्तों को सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य का आशीर्वाद देती हैं। इसी विश्वास के चलते श्रद्धालु रात्रि में लक्ष्मी पूजन

करते हैं, दीप जलाते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

इस परंपरा का व्यापक संदेश यह है कि समृद्धि की कामना के साथ परिश्रम, सदाचार और कर्तव्यनिष्ठा को भी जीवन में स्थान दिया जाना चाहिए। केवल धन-संपत्ति ही सुख का आधार नहीं है, बल्कि संतोष, नैतिकता और संबंधों की मधुरता भी जीवन को समृद्ध बनाती है।

**श्रीकृष्ण का महारास और आध्यात्मिक प्रेम**

ब्रजभूमि में शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार, इसी मनोरम रात भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास रचाया था। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित रासलीला प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक समर्पण का प्रतीक है। इस प्रसंग में प्रेम को केवल सांसारिक आकर्षण तक सीमित नहीं

माना गया, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अनुभूति के रूप में देखा गया है।

ब्रज के मंदिरों में इस अवसर पर विशेष पूजा, भजन और रासलीला के आयोजन होते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं से जुड़े आध्यात्मिक संदेश जनमानस तक पहुंचते हैं। महारास का भाव यह भी सिखाता है कि सच्चे प्रेम में अहंकार का स्थान नहीं होता, बल्कि समर्पण और आत्मीयता प्रमुख होते हैं।

**आधुनिक जीवन के लिए शाश्वत संदेश**

आज का मनुष्य भागदौड़, तनाव और भौतिक इच्छाओं के बीच कई बार मानसिक शांति और आत्मीय संबंधों से दूर होता जा रहा है। ऐसे में शरद पूर्णिमा जैसे पर्व हमें ठहरकर अपने जीवन, व्यवहार और संबंधों पर विचार करने का अवसर देते हैं। चंद्रमा की शीतल रोशनी शांति और संतुलन का प्रतीक है, मां लक्ष्मी की आराधना परिश्रम और सदाचार का महत्व बताती है, जबकि श्रीकृष्ण का महारास प्रेम और समर्पण की अनुभूति कराता है।

शरद पूर्णिमा का वास्तविक सांस्कृतिक वैभव केवल चांदनी, पूजा और परंपराओं में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में भी निहित है, जिन्हें यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाता आया है। प्रेम, विश्वास, संतोष, सद्भाव और आत्मीयता ही जीवन को सुंदर बनाते हैं। यही शरद पूर्णिमा का शाश्वत आध्यात्मिक संदेश है।

# दीवान बहादुर एमएम मुलना : लोकसेवा और दानशीलता की अमिट विरासत

हेमेन्द्र क्षीरसागर

किसी पीड़ित व्यक्ति को देखकर दुखी होना संवेदनशीलता का परिचायक है, लेकिन उसके दुख को दूर करने के लिए आगे बढ़ना ही सच्ची मानवता है। परोपकार की सार्थकता केवल सद्भावना व्यक्त करने में नहीं, बल्कि अपने सामर्थ्य और संसाधनों को दूसरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए समर्पित करने में है। दीवान बहादुर मानेकजी मेरवानजी मुलना का जीवन इसी मानवीय दर्शन का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपनी संपत्ति को निजी वैभव का साधन बनाने के बजाय जनकल्याण के लिए समर्पित किया और अपनी कर्मभूमि बालाघाट को ऐसी विरासत दी, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

**बालाघाट से आत्मीय जुड़ाव**

दीवान बहादुर एमएम मुलना का जन्म 25 अक्टूबर 1868 को बंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था। उन्होंने नागपुर के मॉरिस कॉलेज से वर्ष 1891 में एमए और 1892 में विधि की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। इसके बाद उन्हें अतिरिक्त सहायक आयुक्त नियुक्त किया गया। प्रशासनिक सेवा के दौरान बालाघाट से उनका जुड़ाव हुआ, जो आगे चलकर आजीवन समर्पण में बदल गया।

उन्होंने बालाघाट को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहीं जीवन बिताने का निर्णय लिया।

आजीवन अविवाहित रहे मुलना साहब ने अपना समय, सामर्थ्य और संपत्ति समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दी। बालाघाट जिले में डिस्ट्रिक्ट काउंसिल की स्थापना के बाद वे लगभग 35 वर्षों तक उसके अध्यक्ष निर्वाचित होते रहे। उनकी सार्वजनिक सेवाओं के लिए उन्हें पहले 'खान बहादुर' की मानद उपाधि प्रदान की गई, जिसे बाद में 'दीवान बहादुर' के रूप में परिवर्तित किया गया।

**जनहित के लिए समर्पित संपत्ति** : मुलना साहब की दानशीलता का महत्व केवल उनकी उदारता तक सीमित नहीं था। उन्होंने नगर की आवश्यकताओं और भावी पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर सार्वजनिक सुविधाओं तथा संस्थागत विकास में योगदान दिया। नगर की जलप्रदाय योजना, बस स्टैंड के समीप सार्वजनिक धर्मशाला, उद्यान के लिए भूमि, मुलना स्टेडियम और शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के लिए भूमि दान जैसे कार्यों में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने अपने आवासीय बंगले को भी जनहित के लिए समर्पित कर दिया। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, इसी परिसर में

आज पॉलिटेक्निक महाविद्यालय संचालित है। यह उदाहरण बताता है कि किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति समाज के लिए उपयोगी संसाधन बनकर अनेक पीढ़ियों के भविष्य को संवार सकती है।

**वसीयत, ट्रस्ट और जनकल्याण**

मुलना साहब की उदारता अचल संपत्ति तक सीमित नहीं थी। उनके जीवन-वृत्तांत में अपनी संपत्ति के साथ तत्कालीन समय के करोड़ों रुपये मूल्य के शेयर जनहित में समर्पित करने का उल्लेख मिलता है। इन परिसंपत्तियों का वर्तमान मूल्य और स्थिति संबंधित अभिलेखों के सत्यापन से ही स्पष्ट हो सकती है। उन्होंने अपनी संपत्ति और शेयरों के प्रबंधन तथा उपयोग के लिए वसीयत के माध्यम से एक ट्रस्ट को जिम्मेदारी सौंपी, ताकि बालाघाट के नागरिकों के हित में निर्धारित कार्य किए जा सकें। इस ट्रस्ट के माध्यम से पेयजल आपूर्ति, मुलना स्टेडियम और सार्वजनिक धर्मशाला सहित कुछ कार्यों के संपन्न होने का उल्लेख मिलता है। किसी दानवीर की महानता केवल इस बात से नहीं आंकी जाती कि उसने कितनी संपत्ति दान की, बल्कि इससे भी कि उसके संसाधनों से समाज को कितनी स्थायी सुविधा मिली। इस दृष्टि से मुलना साहब की विरासत

सार्वजनिक संपत्ति के संरक्षण, पारदर्शी प्रबंधन और जनहित में उसके उपयोग की प्रेरणा देती है।

**महान दानवीर को सच्ची श्रद्धांजलि** : मुलना साहब ने 2 जुलाई 1957 को अंतिम सांस ली। उनका भौतिक जीवन समाप्त हो गया, लेकिन बालाघाट के प्रति उनका समर्पण और दानशीलता की प्रेरणा आज भी प्रासंगिक है। बालाघाट के नागरिकों के लिए उनकी विरासत गर्व का विषय होने के साथ-साथ एक नैतिक दायित्व भी है। आवश्यक है कि उनके जीवन और योगदान का प्रामाणिक दस्तावेजीकरण किया जाए तथा उनसे जुड़ी सार्वजनिक धरोहरों का संरक्षण सुनिश्चित हो। उनकी वसीयत में निहित जनकल्याणकारी उद्देश्यों और ट्रस्ट की वर्तमान स्थिति को भी संबंधित अभिलेखों के आधार पर स्पष्ट किया जाना चाहिए। इससे उनकी विरासत को सुरक्षित रखने और जनहित में उसके उपयोग की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकेंगे। दीवान बहादुर एमएम मुलना की विरासत तभी जीवंत रहेगी, जब उनके दान से मिली धरोहर सुरक्षित रहेगी, उसका पारदर्शी तरीके से जनहित में सदुपयोग होगा और उनके जनकल्याणकारी उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए ईमानदार प्रयास किए जाएंगे। यही महान दानवीर के प्रति बालाघाट की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

# अग्रसेन चौक पर 11 नवंबर को 251 दीपकों से होगी आरती

धनतेरस से भैया दूज तक छह दिन होगी भव्य सजावट, 48 विधवाओं को बांटी जाएगी मिठाई

फिरोजाबाद, जीएनएस।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की ओर से भैया दूज पर 11 नवंबर को अग्रसेन चौक, रामलीला तिराहा पर दीपमालिका का आयोजन किया जाएगा। शाम सात बजे 251 दीपकों से महाराजा अग्रसेन की सामूहिक आरती होगी। आयोजन में अग्रवाल महिला

सम्मेलन और माधवी शाखा की सदस्याएं भी शामिल होंगी।

आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार रात फिरोजाबाद क्लब में सम्मेलन की बैठक हुई। अध्यक्षता आनंद मित्तल ने की। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मंत्री मुकेश बंसल रहे। बैठक की शुरुआत महाराजा अग्रसेन की आरती से हुई। वरिष्ठ सदस्य दीनानाथ गर्ग ने चित्र पर माल्यार्पण किया और हरी बाबू बंसल ने दीप प्रज्वलित किया।



महामंत्री दिनेश चंद्र अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कुलदीप मित्तल

एडवोकेट ने बताया कि धनतेरस से भैया दूज तक अग्रसेन चौक को

छह दिन तक भव्य तरीके से सजाया जाएगा। उन्होंने समाज के लोगों से परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की।

प्रांतीय उप महामंत्री किशन बिहारी गर्ग और मार्गदर्शक जानकी प्रसाद गर्ग ने बताया कि समाज की 48 जरूरतमंद विधवाओं को हर माह दी जा रही पेंशन जारी रखी जाएगी। दीपावली पर सभी को मिठाई का एक-एक डिब्बा भी दिया जाएगा। बैठक में अग्रसेन जयंती पर गौशाला में गौ माताओं

के 56 भोग कार्यक्रम के संयोजक पंकज गोयल और विधवा सहायता में सहयोग के लिए संतोष अग्रवाल टेलको को पीत पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान दाऊ दयाल अग्रवाल, सुरेंद्र प्रकाश, गोपाल बंसल, अरुण मित्तल, प्रदीप लल्ला, राकेश अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अजय कलई, अतुल अग्रवाल, रविंद्र गर्ग, रमेश डायमंड, अजय जिंदल, अरविंद जिंदल, विपिन अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

## बूथों पर पहुंचे डीएम, फॉर्म-6, 7 और 8 की जांच की

फिरोजाबाद, जीएनएस।

मतदाता विशेष कैंप के तहत शनिवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शहर के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने फॉर्म-6, 7 और 8 की उपलब्धता और दावे-आपत्तियों के निस्तारण की स्थिति देखी। बीएलओ को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र नागरिक, खासकर युवा मतदाता, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

डीएम ने सबसे पहले प्राथमिक विद्यालय सैलई पहुंचकर बूथ संख्या 219 से 222 तक चल रहे कैंप का जायजा लिया। उन्होंने बीएलओ से कहा कि केंद्र पर आने वाले लोगों को आवेदन और जरूरी दस्तावेज जमा करने में किसी तरह की परेशानी न हो।

इसके बाद सैलई स्थित राजकीय अनुसूचित जाति बालक



छात्रावास में बूथ संख्या 223 से 230 तक चल रहे कैंप का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला मतदाताओं की अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्वाचन कार्य में लापरवाही न बरतने और पूरी जिम्मेदारी से काम करने के निर्देश दिए।

18 से 19 वर्ष के मतदाताओं का अलग रिकॉर्ड रखें डीएम ने तिलक इंटर कॉलेज के बूथ संख्या एक और दो तथा

डीएवी इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 13 से 18 का भी निरीक्षण किया। उन्होंने महिला मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवा मतदाताओं का अलग डाटा रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को सूची में नाम तलाशने में आसानी हो, इसके लिए बीएलओ रजिस्टर को वर्णमाला क्रम में व्यवस्थित रखा जाए।

## सड़क पर अतिक्रमण करने वालों पर नगर निगम की कार्रवाई, सिटी सेंटर में 53 मकानों के रैंप हटाए

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने और आमजन के लिए सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में क्षेत्र क्रमांक 14 के अंतर्गत वार्ड 29 स्थित कुंदन नगर सिटी सेंटर क्षेत्र में सड़क पर बाधा उत्पन्न कर रहे स्थायी अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान लगभग 53 मकानों के सड़क की ओर बने रैंप हटाए गए।

नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क एवं आवागमन में बाधक बने रैंप को हटाया, जिससे सड़क पर उपलब्ध स्थान



का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इस कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखना, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना तथा नागरिकों को आवागमन में होने वाली असुविधा से राहत दिलाना है। कार्रवाई क्षेत्राधिकारी श्री अभय प्रताप सिंह तोमर के नेतृत्व में की गई। इस दौरान मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं मदाखलत

निरीक्षक श्री सुघर सिंह सहित संबंधित अमला उपस्थित रहा। नगर निगम द्वारा शहर में सड़कों, फुटपाथों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमणों को हटाने का अभियान निरंतर जारी है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक मार्गों पर आवागमन बाधित करने वाले अतिक्रमणों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## जिले में नरवाई व पराली जलाने पर प्रतिबंध, जलाने वालों पर लगोगा जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

पाराली व नरवाई (फसल अवशेष) जलाना दण्डनीय अपराध है। जिले में पाराली जलाने वालों पर जुर्माना लगाया जायेगा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान द्वारा इस आशय का आदेश जारी किया गया है।

उन्होंने यह आदेश फसल के अवशेष जलाने से फैलने वाले प्रदूषण पर अंकुश, अग्नि दुर्घटनाएं रोकने एवं जान-माल की रक्षा के उद्देश्य से जारी किया है। आदेश के पालन के लिये जिला दण्डाधिकारी द्वारा

संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में समितियाँ भी गठित कर दी हैं। साथ ही उप संचालक किसान कल्याण व कृषि विभाग को प्रतिदिन की कार्यवाही की जानकारी संकलित कर कलेक्ट्रेट कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पाराली जलाने वालों पर दो एकड़ से कम भूमि धारक को 2500 रूपए प्रति घटना, दो एकड़ से अधिक व पाँच एकड़ से कम भूमि धारक को 5 हजार रूपए प्रति घटना एवं पाँच एकड़ से अधिक भूमि धारक

को 15 हजार रूपए प्रति घटना पर्यावरण मुआवजा देना होगा।

जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे अपने खेतों में पाराली व नरवाई इत्यादि फसल अवशेष न जलाएं, इससे पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचती है। साथ ही खेत की मिट्टी के लाभदायक सूक्ष्म जीवाणु मर जाते हैं।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार पाराली जलाने से भूमि में अम्लीयता बढ़ती है, जिससे मृदा को अत्यधिक क्षति पहुँचती है। सूक्ष्म जीवाणुओं की सक्रियता घटने लगती है एवं भूमि की जलधारण क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

## जिला मजिस्ट्रेट श्री वर्मा ने एक आदतन अपराधी को किया जिलाबदर, दूसरे को थाने में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश

शिवपुरी, जीएनएस।

जिले में आदतन अपराधियों की आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा लोकशांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कार्रवाई की है। उन्होंने एक आदतन अपराधी को 6 माह की अवधि के लिए जिलाबदर कर दिया है, जबकि एक अन्य आदतन अपराधी को आगामी 6 माह तक पुलिस थाने की निगरानी में रहकर

अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश जारी किए हैं।

थाना तेंदुआ अंतर्गत ग्राम डेहरवारा निवासी विक्रम रावत पुत्र गजराज सिंह रावत एक आदतन अपराधी है। उक्त अपराधी की आपराधिक गतिविधियों से शांति व्यवस्था प्रभावित होती है तथा किसी भी दिन गंभीर घटना घटित हो सकती है। जिसके तहत कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने विक्रम रावत को शिवपुरी एवं उसके आस-पास के जिलों ग्वालियर, अशोकनगर,

श्योपुर, मुरैना, दतिया, गुना की सीमा के भीतर से 6 माह के लिये जिला बदर किया है। इसी प्रकार बन्ना पुत्र भूरा बंजारा निवासी नयागांव बरईपुरा थाना पोहरी को थाने की निगरानी में रहने के निर्देश दिए हैं। 6 माह तक थाना प्रभारी पुलिस थाना पोहरी के समक्ष सप्ताह में एक दिन (प्रत्येक सोमवार) अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर स्वयं के क्रियाकलापों की जानकारी देनी होगी।

## ग्वालियर जिले में बिना अनुमति धरना, प्रदर्शन, रैली-जुलूस इत्यादि पर प्रतिबंध

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले की सीमा में किसी भी सार्वजनिक स्थल पर धरना, प्रदर्शन, रैली, जुलूस व चल समारोह इत्यादि बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के आयोजित नहीं किए जा सकेंगे। विभिन्न धार्मिक त्यौहारों, सामाजिक एवं शासकीय व राजनैतिक कार्यक्रमों के दौरान शांति, कानून-व्यवस्था और

सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत इस आशय का प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा।

आदेश में स्पष्ट किया

गया है कि एक अनुविभाग की सीमा में प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) तथा एक से अधिक अनुविभागों में अपर जिला दण्डाधिकारी (एडीएम) से पूर्व अनुमति लेना होगी।

जिला दण्डाधिकारी ने इस आदेश के जरिए किसी भी धर्म, जाति या संप्रदाय की

भावनाओं को आहत करने वाली सामग्री का प्रसारण, भ्रामक अथवा अफवाहपूर्ण संदेशों का प्रसार तथा कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियां भी प्रतिबंधित की गई हैं। ऐसी गतिविधियों पर प्रशासन व पुलिस द्वारा सतत निगरानी रखी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने

बाजारों, मॉल, सार्वजनिक मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने, जन-जीवन को सुरक्षित रखने तथा लोक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की

धारा 223 सहित अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विशेष परिस्थितियों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा परीक्षण उपरांत आवश्यक छूट प्रदान की जा सकेगी।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे जारी निर्देशों का पालन करें तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

# भारत का वन्यजीवन : गिरावट, संघर्षशीलता और आशा की कहानी

डॉ. विजय गर्ग

भारत विश्व के सर्वाधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। यहाँ विशाल वन, घास के मैदान, आर्द्रभूमियाँ, पर्वत, रेगिस्तान और समुद्र तटीय पारिस्थितिकी तंत्र पाए जाते हैं। ये प्राकृतिक आवास बंगाल टाइगर, एशियाई शेर, एशियाई हाथी, एक सींग वाले गैंडे, हिम तेंदुए, घड़ियालों तथा पक्षियों, सरीसृपों और कीटों की असंख्य प्रजातियों को आश्रय देते हैं। लेकिन प्रकृति की यह अनमोल संपदा आज आवासों के विनाश, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही है। इन कठिनाइयों के बावजूद भारत के वन्यजीव संरक्षण के प्रयास आशा की किरण जगाते हैं।

**वन्यजीवों की घटती संख्या का बढ़ता संकट :** वन्यजीवों की संख्या में गिरावट केवल कुछ जानवरों के लुप्त होने की समस्या नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र दबाव में है। बढ़ते शहर, सड़कें, रेलवे लाइनें, खनन, कृषि और औद्योगिक विकास प्राकृतिक आवासों को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँट रहे हैं। जब जंगल काटे जाते हैं या खंडित हो जाते हैं, तो जानवर भोजन, आश्रय, प्रजनन स्थलों और सुरक्षित आवागमन के मार्गों से वंचित हो जाते हैं।

अवैध शिकार और वन्यजीवों का गैरकानूनी व्यापार भी गंभीर खतरे पैदा करते हैं। जानवरों को उनकी खाल, हड्डियों, सींगों और शरीर के अन्य अंगों के लिए मारा

जाता है। पक्षियों और सरीसृपों को भी अवैध व्यापार के लिए पकड़ा जाता है। प्रदूषण, कीटनाशक, प्लास्टिक कचरा और दूषित पानी स्थलीय तथा जलीय जीवों के अस्तित्व को प्रभावित करते हैं।

जलवायु परिवर्तन इन समस्याओं को और गंभीर बना रहा है। बढ़ता तापमान, वर्षा के बदलते स्वरूप, लंबे सूखे, बाढ़ और जंगलों में लगने वाली आग प्राकृतिक आवासों को बदल सकती है तथा भोजन की उपलब्धता कम कर सकती है। हिमालय जैसे विशिष्ट पर्यावरणीय क्षेत्रों में रहने वाली प्रजातियाँ विशेष रूप से प्रभावित हो सकती हैं।

**मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष :** जैसे-जैसे मानव बस्तियाँ वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों के निकट फैल रही हैं, मनुष्यों और जानवरों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। हाथी फसलों को नुकसान पहुँचा सकते हैं, तेंदुए गाँवों में प्रवेश कर सकते हैं और बड़े मांसाहारी जानवर कभी-कभी पशुओं या मनुष्यों पर हमला कर सकते हैं। ऐसी घटनाओं से जान-माल की हानि होती है और कई बार जानवरों की भी मृत्यु हो जाती है।

इसलिए संरक्षण के प्रयासों में वन्यजीवों के साथ-साथ मानव समुदायों की सुरक्षा भी आवश्यक है। समय रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियाँ, वन्यजीव गलियारे, उपयुक्त बाड़, त्वरित सहायता दल और नुकसान का समय पर मुआवजा संघर्ष कम करने में सहायक हो सकते हैं। स्थानीय समुदायों को संरक्षण की योजना बनाने में शामिल करना तथा

जिम्मेदार प्रकृति पर्यटन से मिलने वाले आर्थिक लाभों में उनकी उचित भागीदारी सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

वन्यजीव संरक्षण तभी सफल हो सकता है, जब किसानों, वन-आश्रित समुदायों और संरक्षित क्षेत्रों के निकट रहने वाले लोगों की वास्तविक समस्याओं को समझा जाए। टकराव की तुलना में सहयोग अधिक प्रभावी है।

**भारत की संरक्षण संबंधी सफलताएँ :** इन चुनौतियों के बावजूद भारत ने दिखाया है कि निरंतर और वैज्ञानिक प्रयासों से संकटग्रस्त प्रजातियों की संख्या में सुधार लाया जा सकता है।

1973 में शुरू किया गया प्रोजेक्ट टाइगर बाघ संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसके अंतर्गत संरक्षित क्षेत्रों का विकास, आवास प्रबंधन और अवैध शिकार के विरुद्ध कार्रवाई को बढ़ावा दिया गया। भारत के वर्ष 2022 के आधिकारिक आकलन में जंगली बाघों की संख्या लगभग 3,682 अनुमानित की गई थी। इस अनुमान में सांख्यिकीय अनिश्चितता भी शामिल थी। फिर भी, यह प्रगति वैज्ञानिक निगरानी, आवास संरक्षण और समन्वित प्रयासों के महत्व को दर्शाती है।

गुजरात के गिर क्षेत्र और आसपास के इलाकों में पाया जाने वाला एशियाई शेर संरक्षण की एक अन्य उल्लेखनीय सफलता है। उसके आवास की सुरक्षा और शिकार पर प्रतिबंधों ने उसकी संख्या में सुधार करने में मदद की है। हालाँकि, सीमित भौगोलिक क्षेत्र में उसकी अधिक उपस्थिति के

कारण बीमारी से बचाव और अन्य सुरक्षित आवास विकसित करना भी महत्वपूर्ण है।

असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक सींग वाले भारतीय गैंडे के संरक्षण ने भी उत्साहजनक परिणाम दिए हैं। अवैध शिकार के विरुद्ध कार्रवाई, आवास प्रबंधन और योजनाबद्ध संरक्षण कार्यक्रमों ने उसकी पुनर्बहाली में योगदान दिया है।

इसी प्रकार, मगरमच्छ संरक्षण कार्यक्रमों ने कुछ प्रजातियों की संख्या में सुधार किया है। चुनिंदा क्षेत्रों में स्थानीय रूप से विलुप्त या घटती प्रजातियों को फिर से स्थापित करने के प्रयास भी प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के नए अवसर प्रदान करते हैं।

ये सफलताएँ बताती हैं कि वन्यजीवों की गिरावट हमेशा अपरिवर्तनीय नहीं होती। वैज्ञानिक योजना, दृढ़ प्रतिबद्धता और समुदायों की भागीदारी से प्रकृति को फिर से स्वस्थ बनाया जा सकता है।

**संरक्षित क्षेत्र और वन्यजीव गलियारे :** राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, संरक्षण रिजर्व और सामुदायिक रिजर्व भारत की वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था की आधारशिला हैं। ये जानवरों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराते हैं और शोध, शिक्षा तथा जिम्मेदार पर्यटन के अवसर भी प्रदान करते हैं।

लेकिन केवल संरक्षित क्षेत्र बनाना पर्याप्त नहीं है। भोजन, साथी और प्रजनन के लिए उपयुक्त स्थान खोजने हेतु कई जानवरों को

अलग-अलग जंगलों के बीच आवागमन करना पड़ता है। वन्यजीव गलियारे खंडित आवासों को जोड़ते हैं और जानवरों को सुरक्षित रूप से एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक जाने में मदद करते हैं। हाथियों, बाघों और अन्य दूर तक विचरण करने वाली प्रजातियों के लिए इन गलियारों का विशेष महत्व है।

विकास परियोजनाओं में पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीर आकलन, वन्यजीवों के लिए सुरक्षित मार्ग और प्राकृतिक आवासों के विखंडन को कम करने वाले उपाय शामिल होने चाहिए। आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी मानने के बजाय साथ-साथ आगे बढ़ाना आवश्यक है।

नागरिकों और तकनीक की भूमिका

वन्यजीव संरक्षण केवल सरकारों और वन विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। नागरिक अवैध वन्यजीव व्यापार से जुड़े उत्पादों से दूर रहकर, प्लास्टिक का उपयोग कम करके, पानी बचाकर और विश्वसनीय संरक्षण संगठनों का समर्थन करके योगदान दे सकते हैं।

विद्यालयों में जैव विविधता सर्वेक्षण, प्रकृति भ्रमण, पक्षी अवलोकन और जागरूकता अभियान आयोजित किए जा सकते हैं। ऐसे अनुभव बच्चों में जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता और प्राकृतिक संतुलन की समझ विकसित करते हैं। आधुनिक तकनीक भी संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कैमरा ट्रैप, उपग्रह आधारित

निगरानी, ड्रोन, भौगोलिक सूचना प्रणाली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से जानवरों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है, अवैध शिकार के जोखिम पहचाने जा सकते हैं और आवासों में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सकता है। हालाँकि, तकनीक को मैदानी अनुसंधान और स्थानीय ज्ञान का सहयोगी बनना चाहिए, उनका विकल्प नहीं।

आशा और जिम्मेदारी से जुड़ा भविष्य

भारत के वन्यजीवन की कहानी न तो पूरी तरह निराशाजनक है और न ही पूर्ण सफलता की कहानी। कुछ प्रजातियों की संख्या में उत्साहजनक सुधार हुआ है, जबकि अन्य अभी भी संकटग्रस्त हैं या उनके बारे में वैज्ञानिक जानकारी सीमित है। संरक्षण की उपलब्धियों के कारण लापरवाह नहीं होना चाहिए, क्योंकि बढ़ती आबादी, बुनियादी ढाँचे का विस्तार और जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आवासों पर लगातार दबाव डाल रहे हैं। आगे बढ़ने के लिए वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई, नष्ट हुए पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली, वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय समुदायों की सार्थक भागीदारी आवश्यक है। सरकारों, वैज्ञानिकों, व्यावसायिक संस्थानों, शैक्षणिक संगठनों और नागरिकों को जैव विविधता की रक्षा के लिए साझा जिम्मेदारी निभानी चाहिए। वन्यजीव संरक्षण वास्तव में उन प्राकृतिक प्रणालियों की रक्षा है, जिन पर मानव जीवन निर्भर करता है।

## देश के तीन आईआईटी में मेडिकल साइंस और इंजीनियरिंग का संगम- डॉक्टर नहीं, मेडिकल इंजीनियर तैयार करने की पहल

डॉ. विजय गर्ग

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान तेजी से तकनीक पर निर्भर होता जा रहा है। आज अस्पतालों में सीटी स्कैन, एमआरआई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बायो-सेंसर और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक मशीनों का उपयोग बढ़ रहा है। ऐसे में चिकित्सा और इंजीनियरिंग के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

इसी दिशा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी कानपुर चिकित्सा विज्ञान तथा इंजीनियरिंग को एक साथ लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इन संस्थानों का उद्देश्य ऐसे विशेषज्ञ तैयार करना है जो मानव शरीर की कार्यप्रणाली और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की तकनीक-दोनों को समझ सकें।

चिकित्सा और इंजीनियरिंग के बीच तालमेल क्यों जरूरी?

कल्पना कीजिए कि किसी मरीज की सीटी स्कैन रिपोर्ट में एक हिस्सा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा है। डॉक्टर को यह समझने में कठिनाई हो सकती है कि इसका कारण मशीन की तकनीकी समस्या है या मरीज की बीमारी। दूसरी ओर, मशीन बनाने वाले इंजीनियर को उस चिकित्सकीय परिस्थिति की पूरी जानकारी नहीं हो सकती।

ऐसी स्थिति में चिकित्सा और तकनीक, दोनों का ज्ञान रखने वाले विशेषज्ञ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे डॉक्टरों और इंजीनियरों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने, मशीनों की उपयोगिता बढ़ाने और रोगों की पहचान को अधिक सटीक बनाने में मदद कर सकते हैं।

हालाँकि, ऐसे विशेषज्ञ डॉक्टरों और पारंपरिक इंजीनियरों का स्थान लेने के लिए नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार किए जाते हैं।

आईआईटी मद्रास- मेडिकल साइंस और इंजीनियरिंग का नया

संगम आईआईटी मद्रास ने मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष शैक्षणिक पहल की है। संस्थान का उद्देश्य चिकित्सा विज्ञान, इंजीनियरिंग और आधुनिक तकनीक के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

यहां मेडिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग से संबंधित पाठ्यक्रमों में मानव शरीर की कार्यप्रणाली, गणितीय मॉडलिंग, क्लिनिकल न्यूरोसाइंस और मेडिकल इमेजिंग जैसे विषय शामिल हैं। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिलता है कि इंजीनियरिंग के सिद्धांतों का उपयोग मानव शरीर, रोगों की पहचान और चिकित्सा अनुसंधान में किस प्रकार किया जा सकता है।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि का मानना है कि तकनीकी संस्थानों को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में देश

की क्षमता बढ़ाना भारत की दीर्घकालिक जरूरत है।

आईआईटी खड़गपुर- चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की दिशा में कदम

आईआईटी खड़गपुर ने चिकित्सा विज्ञान और तकनीक के समन्वय के क्षेत्र में लंबे समय से काम किया है। यहां 2001 में स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी की शुरुआत हुई थी।

संस्थान का एमएमएसटी कार्यक्रम विशेष रूप से ऐसे चिकित्सकों के लिए तैयार किया गया था, जो इंजीनियरिंग और भौतिक विज्ञान के ज्ञान के माध्यम से अपने चिकित्सा कौशल को और बेहतर बनाना चाहते हैं।

आईआईटी खड़गपुर ने अपने परिसर में डॉ. बी. सी. रॉय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के माध्यम से चिकित्सा सुविधाओं और अनुसंधान को आगे बढ़ाने की दिशा में भी काम किया है।

यहां मेडिकल इमेजिंग,

मॉलिक्यूलर इमेजिंग, बायोमेटेरियल्स, इम्प्लांट्स, बायोफिजिक्स, कैंसर की शुरुआती पहचान, इम्यूनो-टेक्नोलॉजी और क्लिनिकल बायोमार्कर जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान की संभावनाएं हैं।

इन प्रयासों का व्यापक उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र में नई तकनीकों के विकास को बढ़ावा देना और अनुसंधान को वास्तविक मरीजों की जरूरतों से जोड़ना है।

आईआईटी कानपुर- गंगवाल स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी

आईआईटी कानपुर का गंगवाल स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी चिकित्सा शिक्षा, उच्च स्तरीय चिकित्सा अनुसंधान और इंजीनियरिंग तकनीक को एक मंच पर लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

इस प्रकार के संस्थानों में भविष्य की चिकित्सा तकनीकों के विकास, उन्नत डायग्नोस्टिक प्रणालियों, मेडिकल रोबोटिक्स,

बायोमेडिकल उपकरणों और एआई आधारित स्वास्थ्य सेवाओं पर काम करने की व्यापक संभावनाएं हैं।

इसका उद्देश्य केवल नई मशीनें बनाना नहीं है, बल्कि यह समझना भी है कि मरीजों की वास्तविक जरूरतों के अनुसार तकनीक को कैसे अधिक उपयोगी, सुरक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है।

चिकित्सा विज्ञान में तकनीकी बदलावों के कारण ऐसे विशेषज्ञों की मांग बढ़ने की संभावना है, जिन्हें बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, मेडिकल इमेजिंग, मेडिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, रोबोटिक्स और स्वास्थ्य उपकरणों के डिजाइन का ज्ञान हो। इन क्षेत्रों में प्रशिक्षित विशेषज्ञ अस्पतालों, चिकित्सा उपकरण बनाने वाली कंपनियों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य तकनीक से जुड़ी कंपनियों में काम कर सकते हैं।

65 से अधिक विद्यालयों की भागीदारी, विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को मिले पुरस्कार

# विज्ञान महोत्सव में 1000 से अधिक विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

ग्वालियर जीएनएस

विज्ञान भारती की ओर से आयोजित दो दिवसीय ग्वालियर विज्ञान महोत्सव 2026 के पहले दिन विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर में आयोजित महोत्सव में ग्वालियर संभाग के 65 से अधिक विद्यालयों के 1000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान नवोन्मेष, रील प्रतियोगिता, अभिमत और मंथन जैसी



प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों को उनकी प्रस्तुतियों

और मॉडलों के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार दिए गए। साथ

ही 50 से अधिक ट्रॉफियां प्रदान की गईं।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विज्ञान भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा, मध्य प्रदेश बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर के निदेशक एसएन सिंह और कार्यक्रम सचिव डॉ. विनय सिंह

उपस्थित रहे। शाम 4-30 बजे आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मध्य प्रदेश वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, पदक और ट्रॉफियां प्रदान कीं।

मुख्य वक्ता संजय सिंह कौरव ने विज्ञान के माध्यम से ग्वालियर के विकास की संभावनाओं पर विचार रखे। वहीं,

जयभान सिंह पवैया ने विद्यार्थियों को जीवन में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित किया।

कार्यक्रम में योगेश इंदौरिया, ऋषि सोनी, डॉ. राजीव चतुर्वेदी, डॉ. एससी श्रीवास्तव, डॉ. रणजीत सिंह तोमर, डॉ. राघवेंद्र मिश्रा, नरेंद्र राजपूत, अजय मावई, डॉ. कपिल कांत, डॉ. मनोज निरंजन और डॉ. नितिन दीक्षित सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। यह जानकारी संस्थान की मीडिया प्रभारी दीपा सिंह सिसोदिया ने दी।

## आजीविका मिशन से जुड़कर लखपति दीदी बनीं शिवपुरी की सरोज कुशवाह, दुग्ध व्यवसाय से बदली तकदीर

शिवपुरी, जीएनएस।

ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित सरकारी योजनाएं किस प्रकार परिवर्तन ला रही हैं, इसका एक उदाहरण शिवपुरी जिले के नरवर तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम बरखाड़ी की रहने वाली श्रीमती सरोज कुशवाह की सफलता है। सीमित संसाधनों के बीच जीवनयापन करने वाली सरोज आज आजीविका मिशन के जरिए अपने पैरों पर खड़ी होकर अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार का जरिया बन चुकी हैं।

शिवपुरी जिले के ग्राम बरखाड़ी की निवासी श्रीमती सरोज कुशवाह वर्ष 2016 में मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ीं। इसके बाद उन्होंने गांव में गंगा स्व-सहायता समूह की नींव रखी। समूह की सक्रियता और बेहतर कामकाज के चलते आगे चलकर बरखाड़ी में ग्राम संगठन का गठन



हुआ और फिर लगभग तीस गांवों को मिलाकर बने नोडल सीएलएफ दमयन्ती महिला सामुदायिक समिति से वह बतौर सदस्य जुड़ीं। आजीविका मिशन के जरिए उन्हें निरंतर मार्गदर्शन और वित्तीय साक्षरता का पाठ मिला, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

आजीविका मिशन के तहत मिले सहयोग और मार्गदर्शन से सरोज कुशवाह को उत्पादक समूह का कार्य मिला। इस कार्य के लिए उन्हें 2,35,000 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस पूंजी का सदुपयोग

करते हुए उन्होंने गांव की 15 अन्य महिलाओं को साथ जोड़ा और सामूहिक रूप से दूध का व्यवसाय प्रारंभ किया।

गांव की जिन दीदियों के यहां दूध होता है, वे सब उसे एक जगह एकत्र करती हैं और फिर वाहन के माध्यम से बाहर बाजार में पहुंचाती हैं। इस सामूहिक प्रयास से उनका उत्पादक समूह बेहद सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है और उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

यह प्रयास केवल सरोज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे

उनके साथ जुड़ी 15 से 20 ग्रामीण दीदियों को नियमित रोजगार मिल गया है। महिलाओं के इस समूह ने साबित कर दिया कि यदि संगठित होकर प्रयास किए जाएं तो ग्रामीण आंचल में भी बड़े स्तर पर स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। हाल ही में उन्होंने भोपाल में विशेष प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है, जिसके माध्यम से आने वाले दिनों में क्षेत्र में और अधिक उत्पादक समूह बनाए जाएंगे ताकि अन्य महिलाओं को भी इस कार्य से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

श्रीमती सरोज कुशवाह कहती हैं कि मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने उनके जीवन को एक नई दिशा, वित्तीय मजबूती और सम्मानजनक पहचान दी है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने वाली इन कल्याणकारी योजनाओं के सफल संचालन के लिए शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

## समर्पित और ईमानदार प्रयास पुरस्कार से अधिक महत्वपूर्ण : न्यायाधिपति अहलूवालिया

ग्वालियर, जीएनएस।

उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर में शनिवार को आयोजित 'उल्लास' कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बच्चों ने गायन, नृत्य, निबंध लेखन, चित्रकला, वादन और फैसी ड्रेस सहित विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ग्वालियर के सह-अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री जी. एस. अहलूवालिया ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में प्रतिभागी बनना ही सफलता की राह पर आगे बढ़ने की शुरुआत है। जीवन में सफलता के लिए संयमित सोच, दृढ़ संकल्प, एकाग्रता और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त न कर पाने पर निराश होने के बजाय अपने प्रयासों और सीखने की प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखें,

क्योंकि जीवन में स्थान से अधिक महत्व समर्पण और ईमानदारी से किए गए प्रयास का है।

उच्च न्यायालय की ग्वालियर खण्डपीठ परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य खण्डपीठ में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों के बच्चों की बौद्धिक क्षमता, रचनात्मकता और बहुमुखी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों के कुल 120 बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

छह विधाओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

'उल्लास' कार्यक्रम के अंतर्गत गायन कला, नृत्य कला, निबंध लेखन, चित्रकला, वादन कला और फैसी ड्रेस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रत्येक विधा में प्रतिभागियों को तीन आयु वर्गों—0 से 8 वर्ष, 9 से 14 वर्ष तथा 15 से 18 वर्ष—में विभाजित किया गया था।

दीपावली पर अग्नि सुरक्षा को लेकर नगर निगम सख्त, वार्ड 65 में बिना अनुमति रखे मिले पटाखे; शहरभर में जांच अभियान जारी

## अवैध पटाखा भंडारण मिलने पर गोदाम सील, मिलन फुलझड़ी को नोटिस

ग्वालियर जीएनएस।

दीपावली के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम ने पटाखों के भंडारण, विक्रय और निर्माण स्थलों पर निगरानी बढ़ा दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 65 में बिना अनुमति पटाखों का भंडारण मिलने पर नगर निगम के अग्निशमन विभाग की टीम ने संबंधित गोदाम को बंद कर सील कर दिया। वहीं, शिवपुरी लिंक रोड स्थित मिलन फुलझड़ी के गोदाम का निरीक्षण कर संचालकों को अग्नि सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम को वार्ड क्रमांक 65 के स्थानीय रहवासियों से एक मकान में बिना अनुमति पटाखों का भंडारण किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए निगम आयुक्त और अपर आयुक्त (फायर) के मार्गदर्शन तथा उपायुक्त (फायर) रजनीश गुप्ता के निर्देशन में अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच की।

जांच के दौरान दिनेश जैन के मकान में बिना पूर्व सूचना और अनुमति के पटाखे रखे पाए गए। अधिकारियों ने मकान मालिक को सूचना देकर मौके पर उपस्थित होने के लिए कहा, लेकिन उनके नहीं पहुंचने पर



संभावित अग्नि दुर्घटना और आसपास के रहवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित भंडारण स्थल को बंद कर सील कर दिया गया। नगर निगम की यह कार्रवाई जनहित में

सुरक्षा नियमों के पालन और संभावित हादसों को रोकने के उद्देश्य से की गई।

मिलन फुलझड़ी के गोदाम का भी निरीक्षण : इसके अलावा अग्निशमन विभाग

की टीम ने शिवपुरी लिंक रोड स्थित मिलन फुलझड़ी के गोदाम का भी निरीक्षण किया। यहां अग्नि सुरक्षा की व्यवस्थाओं की जांच की गई और संबंधित संचालकों को निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में नियमानुसार नोटिस जारी कर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को कहा गया है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार दीपावली पर्व को देखते हुए शहर में पटाखों के भंडारण, विक्रय और निर्माण स्थलों की जांच की जा रही है। संबंधित प्रतिष्ठानों को अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने और जरूरी सावधानियां बरतने के निर्देश दिए

गए हैं, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को टाला जा सके और नागरिक सुरक्षित वातावरण में त्योहार मना सकें।

कार्रवाई में ये अधिकारी रहे मौजूद : निरीक्षण और कार्रवाई के दौरान उपायुक्त (फायर) रजनीश गुप्ता, फायर ऑफिसर उमंग प्रधान, आनंद यादव, आरआई इंदर, संपत्तिकर संग्रह अमले के प्रतिनिधि धर्मेन्द्र भदौरिया, रामवीर अहिरवार, प्रशांत पांडे और आशीष तोमर सहित अग्निशमन विभाग का अमला मौजूद रहा। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्वालियर पुलिस की आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्यवाही

# स्कूल जाते समय नाबालिग बालिका के साथ गलत नीयत से छेड़खानी करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

**ग्वालियर, जीएनएस।**  
घटना का संक्षिप्त विवरण—  
थाना अजाक ग्वालियर में 17 वर्षीय नाबालिग बालिका (परिवर्तित नाम नेहा) निवासी बिजौली, जिला ग्वालियर द्वारा शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया गया। शिकायत में लेख किया गया कि दिनांक 22.10.2026 को सुबह स्कूल जाते समय ठकुराईपुरा के पास आरोपी दौलतराम कुशवाह ने मोटरसाइकिल से रास्ते में खड़े

होकर उसे गलत इशारे से गाल पकड़कर अपनी ओर खींचने का प्रयास किया तथा अपने साथ चलने के लिए कहा। विरोध करने एवं स्कूल शिक्षक व पिता को घटना की जानकारी देने की बात कहने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए वहां से चला गया। शिकायत पर दिनांक 23.10.2026 को आरोपी के विरुद्ध थाना अजाक ग्वालियर में अपराध धारा 74, 296(इ)

बीएनएस, धारा 7,8 पॉक्सो एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।  
उक्त मामला संज्ञान में आने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह, भापुसे के द्वारा अति 0 पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ 0 शिवेश सिंह बघेल को पुलिस की टीम बनाकर उक्त प्रकरण में वांछित आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिये। वरिष्ठ अधिकारियों के

निर्देशानुसार डीएसपी अजाक श्री बिंदुसार सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अजाक ग्वालियर कीर्ति अजमेरिया के नेतृत्व में थाना अजाक, थाना बिजौली की टीम गठित कर तकनीकी सेल को उक्त प्रकरण में वांछित आरोपी को पकड़ने हेतु लगाया।  
दौरान विवेचना आज दिनांक 24.10.2026 को पुलिस टीम द्वारा उक्त प्रकरण में वांछित आरोपी दौलतराम कुशवाह को 24 घंटे के

अंदर धरदबोचा। पकड़े गये आरोपी से उक्त प्रकरण के संबंध में गहनता से पूछताछ करने पर उसके द्वारा उक्त अपराध कारित करना स्वीकार किया। जिस पर से पुलिस द्वारा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायिक निरोध में भेजा गया है।  
गिरफ्तार आरोपी:- दौलतराम कुशवाह पुत्र नरेश कुशवाह उम्र 19 साल निवासी ग्राम स्यावरी थाना बिलौआ जिला ग्वालियर।

सराहनीय भूमिका:- थाना प्रभारी अजाक ग्वालियर निरीक्षक कीर्ति अजमेरिया, उनि नरेश मौर्य, प्र.आर. प्रमोद त्रिपाठी, आर. विक्रम सिंह, आर. दीपक सिंह, म.आर. कल्पना भदौरिया, थाना प्रभारी बिजौली उप निरी सौरभ श्रीवास्तव, आर अरुण पवैया, प्र.आर. ओमकार सिंह, सैनिक कैलाश सिंह, साइबर से उप निरी. विश्वीर जाट, आर. सोनू की सराहनीय भूमिका रही।

## गणतंत्र दिवस परेड हर स्वयंसेवक के लिए अविस्मरणीय होता है: डॉ श्रोती

जीवाजी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के अंतर्गत पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2026 का विश्वविद्यालय स्तरीय शिविर एमिटी विश्वविद्यालय ग्वालियर में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संपूर्ण विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के आठ जिले जिसमें ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, अशोकनगर, गुना, शिवपुरी के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित 75 राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक सहभागी हुए। इस चयन प्रक्रिया में स्वयंसेवकों की शारीरिक दक्षता, सांस्कृतिक कला एवं मंचन, राष्ट्रीय सेवा योजना की सामान्य जानकारी आदि तत्वों के आधार पर परीक्षण होता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ हरिशंकर सिंह कंसाना (समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना जीवाजी विश्वविद्यालय) द्वारा सभी मापदंडों की जानकारी देकर कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी गई। वहीं एमिटी विश्वविद्यालय ग्वालियर के सम कुलाधिपति श्री वी के शर्मा (लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त) द्वारा सभी सहभागियों को शुभकामनाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार श्रोती (उप कार्यक्रम सलाहकार राष्ट्रीय



सेवा योजना, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप अंतिम रूप से चयनित हो या न हों लेकिन सभी स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस परेड में चयनित होना का पक्का विचार करना चाहिए। इस चयन की प्रक्रिया में आप बहुत कुछ सीखते हैं। डॉ मनोज अवस्थी (प्रतिनिधि राज्य एनएसएस अधिकारी), समाजसेवी एवं कला साधिका श्रीमती रचना जैन, डॉ समीर भागवत महाराजा मानसिंह महाविद्यालय ग्वालियर निर्णायक दल के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय स्तर पर अंतिम रूप से चयनित 05 स्वयंसेवक 6 राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय शिविर में सहभागी होंगे। क्षेत्रीय स्तर का कैप

आगरा उत्तरप्रदेश में आयोजित होगा। डॉ रचना कड्डल (वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना एमिटी विश्वविद्यालय) ने मुख्य अतिथि डॉ अशोक कुमार श्रोती सहित सभी निर्णायक मंडल का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। दल प्रभारी के रूप में डॉ हिंदू सिंह धाकड़ जिला संगठक गुना, डॉ मनोरमा सिंह, डॉ अर्चना शर्मा, डॉ अर्चना सेन, डॉ इंदु गुप्ता, डॉ विनोद कुशवाह, डॉ गिरिजा नरवरिया, डॉ वेदांकी खडेलवाल, डॉ नरेंद्र वर्मा दृष्टरूआदि कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में दल प्रभारी एवं व्यवस्थापकों सहित 104 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर डॉ मनीष दुबे कार्यक्रम अधिकारी एमिटी विश्वविद्यालय ने सभी का आभार प्रकट किया।

## हेल्प डेस्क लगाकर युवाओं के भरवाए फॉर्म-6, मतदान के लिए किया जागरूक



**फिरोजाबाद, जीएनएस।**  
मतदाता सूची में पात्र युवाओं के नाम शामिल कराने के लिए जिले में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को ईएलसी (इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब) की ओर से हेल्प डेस्क लगाकर छात्र-छात्राओं के फॉर्म-6 भरवाए गए। उन्हें मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा और उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल के निर्देशन में ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा ने विद्यार्थियों को पंजीकरण में

मदद की। हेल्प डेस्क पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से फॉर्म-6 भरवाए गए। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके विद्यार्थियों को बताया गया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी का पहला कदम है।

**बूथों पर मौजूद रहे बीएलओ:** अभियान के दौरान संबंधित बूथों पर बीएलओ की मौजूदगी रही। भाग संख्या 13 पर प्रियंका कौशिक, 14 पर रजनीश कुमार, 15 पर मुनेश कुमार, 16 पर अनिल कुमार, 17 पर दीक्षा और 18 पर ममता शर्मा ने पंजीकरण संबंधी कार्य में सहयोग किया।

### स्कूलों में भी चलाया जागरूकता अभियान

जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पांडेय के निर्देशन में श्री गर्ग इंटर कॉलेज इटौरा और आरपीएस इंटर कॉलेज भोडेली में भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हुए। विद्यार्थियों को मतदान के महत्व और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। डॉ. हिमांशु शर्मा ने कहा कि युवाओं की निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत करती है। पात्र छात्र-छात्राएं समय से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

## लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर की 5वीं बोर्ड मीटिंग एवं दीपावली मिलन समारोह पर चर्चा

**ग्वालियर, जीएनएस।**  
लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर की 5वीं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स मीटिंग गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को लायंस विश्रान्ति गृह, कैंसर हॉस्पिटल, ग्वालियर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष MJF Lion Narendra Agrawal ने की। मुख्य वक्ता के रूप में MJF Lion S. K. Jain उपस्थित रहे।

बैठक की कार्यवाही बैठक में मानसेवी सचिव Lion Puneet Agrawal ने पूर्व बैठक की कार्यवाही का वाचन किया तथा उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं बोर्ड सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।  
आगामी कार्यक्रम —



दीपावली मिलन समारोह पर चर्चा बैठक में आगामी कार्यक्रम के अंतर्गत दीपावली मिलन समारोह के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। समारोह की रूपरेखा एवं आयोजन संबंधी विभिन्न पहलुओं पर सदस्यों ने अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर द्वारा रोज आश्रय भवन,

1000 बिस्तर अस्पताल, ग्वालियर में मरीजों एवं जरूरतमंदों के लिए सुबह-शाम दलिया वितरण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, समय-समय पर भोजन वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। बैठक में इन सेवा गतिविधियों को निरंतर जारी रखने तथा जरूरतमंदों की सहायता के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

### विद्युत वितरण कंपनी ने ग्वालियर शहर वृत्त में सम्पर्क अभियान के तहत लगाए 9 शिविर

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 'संपर्क अभियान' के अंतर्गत ग्वालियर शहर वृत्त में शिविर लगाए जा रहे हैं। इस कड़ी में शनिवार 24 अक्टूबर को शहर में 9 शिविर लगाए गए। इन शिविरों में कुल 376 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 124 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया गया। शेष आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। महाप्रबंधक शहर वृत्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राप्त आवेदनों में बिल संशोधन संबंधी 20, मीटर एवं सर्विस केबिल संबंधी 03, कनेक्शन भुगतान संबंधी 217, तकनीकी सेवाओं संबंधी 12 आवेदन शामिल हैं। कंपनी द्वारा चलाये जा रहे सम्पर्क अभियान की उपभोक्ताओं द्वारा सराहना की जा रही है।

## आगामी भगवत कथा को लेकर दंदरौआ धाम पर मीटिंग का हुआ आयोजन



कलेक्टर पवन जैन, पुलिस अधीक्षक सूरज वर्मा जी पहुंचे दंदरौआ धाम डॉक्टर हनुमान जी के दर्शन कर लिया आशीर्वाद  
दंदरौआ महंत श्री 1008 श्री रामदास जी महाराज ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को शॉल श्री फल देकर दिया आशीर्वाद  
आगामी 28-10-26 से 03-10-26 तक होगा श्री मद

भागवत कथा का वाचन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक रमेश भाई ओझा जी के श्री मुख से होगा कथा वाचन मीटिंग में जिला पंचायत सीईओ ह्यस्त्र नवनीत शर्मा, एसडीओपी संजय कोच्छ, थाना प्रभारी मेहगांव रविंद्र शर्मा, जनपद पंचायत सीईओ, छद्म सोनवानी, ब्रह्म अनिल शर्मा, पद्म महेश पुरोहित तथा अन्य विभाग भी रहे।

# ग्वालियर में टॉय क्लस्टर की स्थापना की संभावनाएँ तलाशने पहुँचा 50 उद्योगों का प्रतिनिधिमंडल

## कृषि उत्पादन आयुक्त व्हीसी के जरिए करेंगे ग्वालियर एवं चंबल संभाग की कृषि गतिविधियों की समीक्षा

**ग्वालियर, जीएनएस।**  
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2028 के तहत ग्वालियर क्षेत्र में खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने और टॉय क्लस्टर स्थापित करने की संभावनाएँ तलाशने के लिए टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल के नेतृत्व में 50 उद्योगों का प्रतिनिधिमंडल ग्वालियर पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के अधिकारियों के साथ बैठक कर औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध भूमि, औद्योगिक नीतियों, सब्सिडी और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इसके बाद प्रतिनिधियों ने मावई-मुरैना, मोहना-ग्वालियर और गुरावल-शिवपुरी औद्योगिक क्षेत्रों का भ्रमण कर उपलब्ध भूमि एवं सुविधाओं का जायजा लिया।

**टॉय एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि हुए शामिल**

यह भ्रमण एमपीआईडीसी की कार्यकारी संचालक सुश्री अनिशा श्रीवास्तव (आईएसएस) की पहल पर आयोजित किया गया। उन्होंने 7 से 9 अक्टूबर 2026 तक दिल्ली प्रवास के दौरान टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों के साथ बैठक में एसोसिएशन के



सदस्यों को ग्वालियर आने के लिए आमंत्रित किया था।

इसी क्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ग्वालियर पहुँचा। इसमें उपाध्यक्ष श्री विपिन निज्ञावन, महासचिव श्री शरद कपूर और गवर्निंग बॉडी (जीबी) के सदस्य श्री आशीष अग्रवाल सहित विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल थे। प्लास्टिक, सॉफ्ट और इलेक्ट्रिक खिलौने बनाने वाली कंपनियों डैश फनराइड, अंकित टॉयज़ एंड गेम्स, लिटिल जीनियस, केस्पा टॉयज़ एंड स्पोर्ट्स प्रा. लि., नटखट और डिम्मी स्टफ के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

**औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि और सुविधाओं की दी जानकारी**

होटल रेडिसन में आयोजित बैठक में कार्यकारी संचालक सुश्री अनिशा श्रीवास्तव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मावई (जिला

मुरैना), मोहना (जिला ग्वालियर), गुरावल (जिला शिवपुरी) के औद्योगिक क्षेत्रों और बिलौआ (जिला ग्वालियर) स्थित प्लास्टिक पार्क की जानकारी दी। इसमें उपलब्ध भूमि, भूमि की दरों और विकास शुल्क से संबंधित विवरण साझा किए गए।

उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को मध्यप्रदेश शासन की औद्योगिक नीतियों, विशेष रूप से खिलौना उद्योग से संबंधित नीति, उद्योगों को प्रोत्साहित करने वाली व्यवस्थाओं और सब्सिडी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश शासन उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। ग्वालियर क्षेत्र में उद्योग लगाने के इच्छुक निवेशकों को एमपीआईडीसी की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

**टॉय क्लस्टर बनने से रोजगार के नए अवसरों की**

**उम्मीद**

बैठक में ग्वालियर में टॉय क्लस्टर स्थापित करने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें क्लस्टर के लिए उपयुक्त भूमि, खिलौना निर्माण इकाइयों की स्थापना और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। टॉय क्लस्टर स्थापित होने से क्षेत्र में खिलौना उद्योग को संगठित रूप से विकसित करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने में मदद मिल सकती है। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने मावई, मोहना और गुरावल औद्योगिक क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण किया। प्रतिनिधियों ने वहाँ उपलब्ध भूमि और औद्योगिक सुविधाओं का जायजा लिया। भ्रमण के अंत में प्रतिनिधिमंडल की शंकाओं के समाधान के लिए बैठक आयोजित की गई।

इसमें प्रतिनिधियों ने भूमि आवंटन और सब्सिडी से जुड़े सवाल पूछे। कार्यकारी संचालक सुश्री अनिशा श्रीवास्तव ने उनके सवालों के जवाब दिए और कुछ प्रस्ताव शासन को भेजने का आश्वासन दिया। इस पहल से ग्वालियर क्षेत्र में खिलौना उद्योग के विस्तार और नए निवेश की संभावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

**ग्वालियर, जीएनएस।**

एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी चाचा जवाहर लाल नेहरू जी की जयंती, बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर 2026 को %बाल प्रतिभा सम्मान 2026% का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

संस्था के अध्यक्ष श्री संजय कड्डल ने बताया कि इस सम्मान का उद्देश्य 14 साल तक के प्रतिभाशाली बच्चों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित

बैठकों में भाग लेने के निर्देश दिए हैं। कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में 26 अक्टूबर को आयोजित होने जा रही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रातः 10 बजे से किसान कल्याण एवं कृषि विकास, उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता विभाग एवं उससे जुड़ी संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा होगी। अपराह्न 2 बजे से पशुपालन व डेयरी, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग व उससे जुड़ी संस्थाओं की समीक्षा की जायेगी।

## हेडलाइन: बाल दिवस पर चाचा नेहरू की जयंती पर होगा 'बाल प्रतिभा सम्मान 2026', आवेदन आमंत्रित

करना है। प्रतिभा श्रेणियाँ- नृत्य, गायन, चित्रकला, लेखन, वादन, स्केटिंग, शतरंज, क्रिकेट व अन्य खेल या किसी भी विधा में उत्कृष्ट प्रदर्शन। जो बच्चे राष्ट्रीय स्तर एवं प्रदेश स्तरीय पर कोई कार्य कर चुके हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं।

**आवेदन प्रक्रिया:** इच्छुक प्रतिभागी अपना नाम, उम्र, मोबाइल नंबर, रुचि का क्षेत्र और प्रतिभा का विस्तृत विवरण नीचे दिए नंबरों पर भेजें। पंजीकरण प्रपत्र भरना अनिवार्य है।

## अवैध रूप से भण्डारित 200 घन मीटर रेत जब्त, चार वाहन भी जब्त किए

**ग्वालियर, जीएनएस।**

जिले में रेत व अन्य खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई खनिज विभाग की टीम ने हजीरा और पुरानी छावनी क्षेत्र में 5 स्थानों पर अवैध रूप से भण्डारित लगभग 200 घन मीटर रेत जब्त किया है। साथ ही रेत के अवैध भण्डारण में संलग्न व गिद्धी के अवैध परिवहन में लिप्त चार वाहन जब्त किए गए हैं। सभी

वाहनों पर मध्यप्रदेश खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। जिला खनिज अधिकारी श्री पंकजध्वज मिश्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार खनिज विभाग की टीम द्वारा हजीरा क्षेत्र में एक स्थान पर व पुरानी छावनी क्षेत्र में चार स्थान पर अवैध रूप से भण्डारित रेत जब्त किया गया है। साथ ही रेत के अवैध भण्डारण में लिप्त एक ट्रैक्टर ट्रॉली व दो लोडर जब्त किए गए हैं। इसके अलावा गिद्धी के अवैध परिवहन में एक ट्रैक्टर - ट्रॉली पकड़ी गई है।

## भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर अवकाश की मांग तेज, अनुयायियों में निराशा

**आगरा, जीएनएस।**

रामायण के महान रचयिता, आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के प्रकटोत्सव पर अवकाश घोषित न होने से उनके अनुयायियों में निराशा है। भगवान प्रभू श्रीराम के आदर्शों को युगों-युगों तक जनमानस में जीवंत रखने वाले तथा माता सीता और लव-कुश के जीवन से जुड़ी गौरवशाली परंपरा के संवाहक महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से प्रकटोत्सव दिवस पर अवकाश घोषित करने की मांग उठी है।

इसी मांग को लेकर उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ और उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ की बैठक आगरा के आईडीएच, राजनगर में हुई। वक्ताओं ने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव केवल



एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, साहित्य, सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों से जुड़ा गौरवशाली अवसर है। ऐसे महान महापुरुष के प्रकटोत्सव पर सार्वजनिक अवकाश घोषित होने से उनके योगदान और आदर्शों को व्यापक सम्मान मिलेगा।

बैठक में उत्तर प्रदेश शासन

के सामान्य प्रशासन अनुभाग की विज्ञप्ति संख्या 671/तीन-2025-39(2)/2016, दिनांक 17 नवंबर 2025 का उल्लेख करते हुए कहा गया कि वर्ष 2026 के राजपत्रित अवकाशों की सूची में निगोशिएबल इंस्ट्रुमेंट्स एक्ट, 1881 के अंतर्गत महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव का अवकाश शामिल नहीं है।

**मुख्यमंत्री से तत्काल निर्णय लेने की अपील**

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी से मांग की गई कि 26 अक्टूबर 2026, सोमवार को भगवान महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव दिवस पर निगोशिएबल इंस्ट्रुमेंट्स एक्ट, 1881 के अंतर्गत अवकाश घोषित किया जाए। वक्ताओं का कहना था कि महर्षि वाल्मीकि के ऐतिहासिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान के अनुरूप उनके प्रकटोत्सव को सरकारी स्तर पर सम्मान मिलना चाहिए। बैठक में विनोद इलाहाबादी, सुंदर बाबू चंचल, भुल्ले नरवार, रोहित लवानिया, जयकिशन कछवाह, राजू डागौर, सम्राट चौधरी, अनिल राजौरिया, बसंत लाल पाथरे, रेशम सिंह चाहर, राजेश चौहान, शरद धनवार, सोनू चौहान, अनिल रामपुरिया, सनी चौहान, देवेंद्र देवू, अभिषेक चौहान और कान्हा ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## 2030 तक प्रदेश का पहला गरबा डांडिया बनेगा श्रीजी इवेंट्स का

**ग्वालियर, जीएनएस।**

श्री जी इवेंट्स एंड प्लानर एवं जीवाजी क्लब के सहयोग से सीजन 3 का गरबा डांडिया महोत्सव विगत दिवस संपन्न हुआ इस गरबा डांडिया महोत्सव में 411 प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्व भाग लिया इस कार्यक्रम में बॉलीवुड सेलिब्रिटी ने भी अपना परफॉर्मेंस दिया उक्त जानकारी श्रीजी इवेंट एस एंड प्लानर्स के नितिन अग्रवाल एवं केतन अग्रवाल ने आज

एक पत्रकार वार्ता में उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि अभी मध्य प्रदेश में हमारा श्री जी गरबा महोत्सव तीसरे स्थान पर है हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक हम इसे और भव्यता प्रदान करते हुए प्रदेश में पहले नंबर पर लेकर आए जिससे ग्वालियर का नाम रोशन हो सके उन्होंने बताया कि हमारे गरबा डांडिया महोत्सव में आयोजन स्थल पर फायर ब्रिगेड एम्बुलेंस सीसीटीवी

कैमरे एवं प्रबंधन की व्यवस्था की गई थी उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2030 तक अब हमारा वी ऑन मध्य प्रदेश से गरबा आयोजकों में प्रथम पायदान पर पहुँचना है इस लक्ष्य के लिए हम आयोजन की गुणवत्ता प्रतिभागियों के अनुभव सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और सुरक्षा व्यवस्थाओं को निरंतर बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे वहीं इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया इस सीजन में

बैक टू द 80 राजस्थानी थीम बन ठन री रात देसी ठाट गरबा की रात और अवध की शाम भक्ति के रंग श्री जी के संग जैसे थीम संध्याएं आयोजित हुई हर संध्या में प्रतिभागियों को अलग वेशभूषा संगीत और सांस्कृतिक रंगों के साथ अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिला इस अवसर पर श्रीजी इवेंट द्वारा वरिष्ठ पत्रकार विनय अग्रवाल एवं विनोद गुप्ता का सम्मान किया गया।

हिन्दी दैनिक

# श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

☎ 0751-2625029

☎ 9074257600

शिवपुरी

☎ 07492-232149

☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

## छतरपुर में रिहायशी इलाके के गोदाम में पटाखों का जखीरा मिलने से हड़कंप, पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

ग्वालियर से ट्रक के जरिए पहुंचाए गए पटाखे, छतरपुर में गोदाम सील करने की कार्रवाई जारी

छतरपुर, जीएनएस। छतरपुर शहर के बाईपास रोड स्थित संदीप ट्रांसपोर्ट के गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखे मिलने की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की है। थाना प्रभारी सतीश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पटाखों से संबंधित दस्तावेजों की जांच शुरू की। रिहायशी इलाके में पटाखों की खेप मिलने के बाद मामले ने गंभीरता ले ली है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोदाम में ग्वालियर से ट्रक के माध्यम से पटाखे लाकर रखे गए थे। इस मामले में प्रभात गुप्ता, प्रतीक रावत और प्रेमचंद गुप्ता



के नाम सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि पटाखों की खेप प्रतीक रावत के नाम से आई थी। हालांकि, पटाखों की वास्तविक मात्रा और परिवहन व भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेजों की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। जानकारी के मुताबिक, गोदाम जिस इमारत में संचालित है, वह विनोद कुशवाहा के नाम पर है और इसे बृजेश वर्मा को किराए पर दिया

गया था। बृजेश वर्मा यहां ट्रांसपोर्ट का काम संचालित करते हैं। रिहायशी इलाके में इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे रखे जाने की सूचना के बाद पुलिस भंडारण की अनुमति और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। थाना प्रभारी सतीश सिंह की कार्रवाई के दौरान गोदाम को सील करने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी सामने आई है।

## गंदगी का अंबार चारों तरफ गंदगी ही गंदगी फैली हुई है

फिलहाल पुलिस की जांच जारी है। पटाखों की सही मात्रा, भंडारण की वैधता और इस मामले में संबंधित लोगों की जिम्मेदारी को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आने का इंतजार है।

वहीं अवैध पटाखों पर डबरा टीआई संजय शर्मा की बड़ी कार्यवाही, अग्रवाल धर्मशाला पर देर रात मारा छापा, कमरे के अंदर रखी हुई बड़ी मात्रा में जप्त हुई आतिशबाजी, पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह यादव के निर्देश के बाद हुई कार्यवाही, दीपावली के त्यौहार को लेकर डबरा पुलिस पहले से है सख्त, देर रात हुई कार्यवाही में शहर थाना प्रभारी संजय शर्मा के साथ एसडीओपी सौरव कुमार व तहसीलदार नवीन भारद्वाज भी रहे साथ में मौजूद।

रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक 4 सांची विदिशा रोड स्थित कलेक्टर निवास डीएफओ निवास डीएफओ सामान्य निवास के आसपास गंदगी का अंबार चारों तरफ गंदगी ही गंदगी फैली हुई है नगर पालिका प्रशासन साफ सफाई की व्यवस्था में नाकाम सीएमओ एवं वर्तमान नगर निगम कमिश्नर सुरेखा जाटव इटारसी नगर पालिका प्रभारी की अनदेखी एवं मनमानी से बाधवासी एवं रायसेन शहर की जनता परेशान हो चुकी है मैडम का मोर भंग नहीं हुआ रायसेन से राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

एक व्यक्ति तीन तीन पद संभाल रहा है भ्रष्टाचार युक्त नगर पालिका बन चुकी है सूचना के अधिकार की जानकारी देने में सुरेखा जाता मैडम असमर्थ हैं

हमेशा विवादों में रहती हैं प्रमोशन होने के बाद भी रायसेन से जाने का मन नहीं है जिला कलेक्टर रोहित सिसोनिया, नगर पालिका अध्यक्ष सविता जमना सेन, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन डॉक्टर मोहन यादव केंद्रीय कृषि एवं पंचायत मंत्री एवं सांसद विदिशा रायसेन शिवराज सिंह चौहान क्षेत्रीय विधायक प्रभु राम चौधरी जी पूर्व मंत्री एवं भाजपा वरिष्ठ नेता डॉक्टर गौरी शंकर डॉक्टर गौरी शंकर शेजवार, भोपाल संभाग कमिश्नर संजीव सिंह एवं अपर एवं प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विभाग से इनके कार्यकाल की जांच की मांग जनता ने की है अगर दोस्ती पाई जाती है तो इन्हें तत्काल प्रभाव से हटाया जाए।

## !!सराहनीय सेवा के बाद थाना प्रभारी रोहित मिश्रा की कोतवाली थाना पन्ना से विदाई, अब संभालेंगे थाना अमानगंज की कमान!!

पंकज पाराशर छतरपुर पन्ना जिले के कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था को गतिशील करने के उद्देश्य से पन्ना कोतवाली में 3 वर्ष से अधिक समय तक सेवाएं देने वाले थाना प्रभारी रोहित मिश्रा का स्थानांतरण अमानगंज थाने के लिए किया गया



है। कोतवाली थाना पन्ना में 3 वर्ष से अधिक की उत्कृष्ट और उत्कृष्ट सेवा देने के बाद पुलिस निरीक्षक रोहित मिश्रा को विदाई दी गई।

उनके कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसकी सराहना पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों द्वारा भी की गई। अब उन्हें थाना अमानगंज की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, जहां वे जल्द ही पदभार ग्रहण करेंगे। इस विदाई के मौके पर कोतवाली स्टाफ ने उन्हें शुभकामनाएं देकर नए दायित्व के लिए रवाना किया।

## णमोकार महामंत्र की गूंज से भक्तिमय हुआ जैन मंदिर नवग्रह युवक मंडल ने जगाई धर्म-साधना की अलख

35 मिनट तक सामूहिक महामंत्र पाठ में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, गर्म दूध वितरण कर भक्तों को दी प्रभावना आगरा, जीएनएस।

श्री 1008 प्रभु पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर-4बी, आगरा में नवग्रह युवक मंडल के तत्वावधान में 35 मिनट तक णमोकार महामंत्र का सामूहिक पाठ अत्यंत भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। महामंत्र की आध्यात्मिक गूंज से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

धर्म, सेवा और संगठन का



संदेश- नवग्रह युवक मंडल की इस पहल ने धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज को एक सूत्र में जोड़ने और युवा शक्ति की धर्म एवं सामाजिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में

समाज के श्रद्धालुओं, मंदिर कमेटी, महिला मंडल और बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। सामूहिक मंत्रोच्चार ने धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकजुटता का संदेश

दिया। समाज के श्रेष्ठियों का भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग रहा। पाठ के उपरांत नवग्रह युवक मंडल की ओर से गर्म दूध वितरित कर प्रभावना की गई। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संदेश जैन, मंत्री अभिषेक जैन, संयोजक प्रवीन जैन, कोषाध्यक्ष मयंक जैन, उपाध्यक्ष सौरभ जैन, उपमंत्री रोहित जैन और संगठन मंत्री संतोष जैन सहित मंडल के सभी सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। मीडिया प्रभारी लकी जैन ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और संचालन में अग्रणी भूमिका निभाई।

### शरद पूर्णिमा पर विशेष कविता

चाँदनी रात में बिखरती भक्ति की दिव्यता

ये शरद की उजली रात है, और चाँदनी का नूर, प्रकृति के कण-कण में छाया भक्ति का सुरूर। नील गगन में चाँद दमके, तारे यहाँ करते श्रृंगार, अमृत बरसाएँ चाँदनी, करती मन को पारावार। आज चाँदनी में नहाई धरती, शीतल मंद बयार, यूँ भक्ति-भाव से %गूँज% उठे मंदिर और घर-द्वार।

ये राधा-कृष्ण की रासलीला, प्रेम सुधा बरसाए, मुरली की मधुरिम तान हृदय में रस घोल जाए। वृंदावन की कुंज गलियों में प्रेम का हैं मधुमास, कृष्ण के संग है राधा-रानी, भक्ति का उल्लास।

गोपियों के नृत्य में झलकता आत्मा का संगीत, प्रेम जहाँ पूजा बन जाए, जीवन हो पावन-प्रीत। देखों माँ लक्ष्मी के आगमन की मंगल बेला आई, धन-धान्य एवं सुख-समृद्धि की शुभ आशा लाई।

व्रत, पूजन और दीप जलाकर करें प्रभु का ध्यान, मन के भीतर ज्योति जले, मिट ही जाए अज्ञान। हाँ, खीर की कटोरी चाँद तले श्रद्धा से सज जाए, हरेक परिवार के आँगन में खुशियों की धुन जाए। प्रेम, दया और सत्य का दीप हृदय में ऐसे जलाएँ, दीन-दुखियों के जीवन में आशा के फूल खिलाएँ।

संजय एम तराणेकर  
(कवि, लेखक व समीक्षक)

## पूर्व मंत्री केपी सिंह कक्काजू ने बुंदेलखंड केसरी दारासिंह को दी श्रद्धांजलि

झांसी/करारी - मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री केपी सिंह कक्काजू ने आज उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के करारी स्थित निज निवास पर पहुंचकर पूर्व बुंदेलखंड केसरी पहलवान स्व. श्री दारा सिंह जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

पूर्व मंत्री ने दिवंगत पहलवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना प्रदान की। इस दौरान उन्होंने कहा कि



स्व. दारा सिंह जी केवल एक पहलवान ही नहीं, बल्कि बुंदेलखंड की माटी के गौरव थे।

उन्होंने कुश्ती के अखाड़े से लेकर समाज सेवा तक अपनी एक अलग पहचान बनाई थी।

उनके निधन से बुंदेलखंड क्षेत्र ने एक सच्चा सपूत और युवा पहलवानों ने अपना आदर्श खो दिया है। कक्काजू ने परिजनों से कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा क्षेत्र उनके साथ खड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। बताया गया कि स्व. दारा सिंह जी लंबे समय से कुश्ती से जुड़े रहे और उन्होंने बुंदेलखंड केसरी का खिताब अपने नाम

किया था। उनके शिष्यों की एक बड़ी संख्या है जो आज भी उनकी कुश्ती की परंपरा को आगे बढ़ा रही है। क्षेत्र में उनके निधन की खबर से पहलवानों और खेल प्रेमियों में शोक की लहर है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पहलवान संघ के सदस्य और बड़ी संख्या में शुभचिंतक मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

## बृजमोहन हत्याकांड के दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने वाले टी आई पुनीत बाजपेई को इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन ने किया सम्मानित

शिवपुरी, जीएनएस।

म प्र - इन्डियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन शिवपुरी मप्र के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर पुनीत बाजपेई को सम्मानित किया। बांमोर कला के रहने वाले रिटायर्ड सूबेदार बृजमोहन शर्मा की हत्या कर दी गई थी। उनका शव कुएं में मिला था। इस अंधे हत्याकांड का खुलासा पुलिस की सक्रियता, अच्छे



व्यवहार, साफ नीयत, नेक दिल, ईमानदारी और सही क्लू के कारण संभव हो सका। पांच दोषी अरेस्ट हुए थे। टीआई पुनीत बाजपेई के कुशल नेतृत्व

तथा प्रयास से पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इस कारण शिवपुरी कोतवाली आगमन पर इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के पदाधिकारियों ने टी आई पुनीत बाजपेई को माल्यार्पण कर, (बुके) पुष्पगुच्छ, शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा ने कहा कि हमारा संगठन इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन देश का नंबर एक पूर्व सैनिकों का संगठन है। जिसमें आर्मी, एयर फोर्स और

नेवी के पूर्व सैनिक सक्रिय रूप से देश और समाज के लिए कार्य करते हैं। बाजपेई साहब को स्थानीय पूर्व सैनिकों की समस्याओं से अवगत कराया। अपने संगठन के क्रियाकलाप, कार्यशैली, के बारे में बात करते हुए कहा कि हमारा संगठन भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं, उनके बच्चों और वीर नारियों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करता है। हमारे संगठन का उद्देश्य नेशन फर्स्ट की भावना को आगे बढ़ाना है।

# पोषण जोड़ो-पुड़िया छोड़ो अभियान के तहत लिया नशामुक्ति का संकल्प

## पोषण स्वास्थ्य, बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

इथोपुर, जीएनएस। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम खिरखिरी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समुदाय द्वारा पोषण जोड़ो-पुड़िया छोड़ो अभियान के तहत हाथ उठाकर नशामुक्ति का संकल्प लिया गया।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि पोषण स्वास्थ्य के प्रति सजगता जरूरी है। इस अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सभी सहयोग करते हुए तम्बाकूयुक्त उत्पादों का त्याग करने के लिए लोगों को प्रेरित करें। इस अवसर पर बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दों पर समुदाय के साथ सकारात्मक चर्चा भी हुई, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए पराली न जलाने के प्रति लोगों से अपील की गई। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से वन टू वन चर्चा करते हुए उनकी मांगों और समस्याओं का समाधान किया गया। इसके साथ ही योजनाओं में लाभ का वितरण करने की कार्यवाही की गई। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 92 आवेदन प्राप्त हुए।

जनसंवाद के दौरान सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम श्री विजय शाक्य, जनपद अध्यक्ष श्रीमती बत्तो बाई आदिवासी, श्री बाबू सिंह यादव, सरपंच श्रीमती तोफा आदिवासी, सीईओ जनपद श्री अभिषेक त्रिवेदी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि तम्बाकूयुक्त उत्पादों के सेवन से न केवल स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, बल्कि बच्चे भी माता-पिता को गुटखा खाते देख दुर्व्यसन की लत लगा



लेते हैं, जो बच्चों के विकास के लिए हानिकारक है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाल विवाह के प्रति समुदाय को सजग रहना चाहिए, बच्चों का विवाह निर्धारित आयु में करना चाहिए, इसके कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई।

पर्यावरण संरक्षण से जुड़े पराली प्रबंधन के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि धान की पराली में आग लगाने से पर्यावरण को तो नुकसान होता ही है, साथ ही मिट्टी उर्वरा शक्ति भी कम होती जाती है, जिसका असर उत्पादन पर पड़ता है, इसलिए पराली का कृषि उपकरणों के माध्यम से उचित प्रबंधन किया जाना चाहिए।

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी द्वारा भी जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उद्बोधन दिया गया।

पार्क के लिए भूमि आवंटन तथा मुक्तिधाम के सीमांकन के निर्देश

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा ग्रामीणों की मांग पर गांव में पार्क के लिए भूमि आवंटन करने के निर्देश दिये। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि पंचायत के माध्यम से आरसीएमएस पोर्टल पर

विधिवत भूमि आवंटन की प्रक्रिया के लिए आवेदन कराया जायें, आवेदन की कार्यवाही सात दिवस में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिये गये। इसके साथ ही श्री शिशुपाल आदिवासी एवं अन्य ग्रामीणों की मांग पर मुक्तिधाम का सीमांकन कराने के निर्देश प्रदान किये। ग्राम भीमनगर कॉलोनी तथा मोगिया बस्ती कॉलोनी में विधुत की समुचित एवं व्यवस्थित व्यवस्थाएं करने हेतु एमपीईबी को सर्वे कराने के निर्देश भी दिये गये। इसके साथ ही मोगिया बस्ती कॉलोनी में जल परीक्षण कराने हेतु पीएचई को निर्देशित किया गया।

श्री किशन आदिवासी मोराई, श्री नरेन्द्र यादव निमानिया तथा श्री मोहन सिंह धाकड खिरखिरी के पशुशैड की मांग संबंधी आवेदनों का निराकरण करते हुए पंचायत सचिव को निर्देश दिये कि उक्त आवेदनों को प्रक्रिया लेकर कार्यवाही सुनिश्चित की जायें।

दिल में छेद की बीमारी का निशुल्क उपचार होगा

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा कराहल निवासी श्रीमती शैफाली राठौर के आवेदन पर आरबीएसके कार्यक्रम अंतर्गत मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना में दिल के छेद का निशुल्क ऑपरेशन कराये जाने के निर्देश सीएमएचओ डॉ दिलीप सिकरवार

को दिये गये। श्रीमती राठौर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया कि उसके दो वर्षीय पुत्र शिवाय के दिल में छेद है। इस पर उक्त योजना के तहत निशुल्क ऑपरेशन कराये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये।

कलेक्टर ने मौके पर ही किया समस्याओं का समाधान

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा मांग एवं समस्याओं से संबंधित तत्काल समाधान योग्य आवेदनों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया तथा समयावधि के आवेदनों में समय सीमा सुनिश्चित की गई। श्रीमती रेखा जाटव के आवेदन पर समग्र आईडी में नाम जोड़ने की प्रक्रिया की गई। श्रीमती रेखा जाटव द्वारा विवाह के उपरांत अपने पति की परिवार आईडी में स्वयं का नाम जोड़े जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इसी प्रकार श्रीमती सुखिया जाटव द्वारा आवास की मांग संबंधी आवेदन पर प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में नाम जोड़ने की कार्यवाही की गई।

रसोईयों का भुगतान बैंक खाते में जारी

जनसंवाद के दौरान रसोईयों के भुगतान संबंधी आवेदनों के निराकरण के संबंध में सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल ने जानकारी दी कि मध्याह्न भोजन में संलग्न रसोईयों

का भुगतान पोर्टल के माध्यम से जारी कर दिया गया है तथा आगामी दो-तीन दिन में पारिश्रमिक की राशि बैंक खाते में पहुंच जायेगी।

6 बालिकाओं को मिला लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ जनसंवाद के दौरान बालिका जियाना पुत्री श्री जीवन, सृष्टि पुत्री श्री प्रमोद, सोनम पुत्री श्री प्रमोद, सानवी पुत्री श्री उपेन्द्र, काव्या पुत्री श्री जितेन्द्र तथा चांदनी पुत्री श्री रूपबंसत को लाभान्वित किया गया।

संबल योजना के तहत 11 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र दिये

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत 11 हितग्राहियों श्रीमती पुष्पा आदिवासी राहौरन, श्रीमती रामदासी आदिवासी, श्रीमती बाई कुशवाह, श्री अमर सिंह आदिवासी, श्रीमती भरोसी बाई आदिवासी निवासीगण कानारखेडा, श्रीमती परमाली पटेलिया करियादेह, श्रीमती भगवानदेवी जाटव मेहरवानी, श्रीमती कैलाशी आदिवासी खिरखिरी, श्रीमती राजकुमारी आदिवासी चकरामपुरा, श्री गोपी आदिवासी दांती एवं श्रीमती बर्फी आदिवासी खेरी को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये।

10 हितग्राहियों को आवास का लाभ, कृषि, उद्यानिकी की योजनाओं में लाभ का वितरण

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 10 हितग्राहियों को पीएम जनमन योजना के तहत आवास का लाभ प्रदान किया गया। इसके साथ ही कृषि विभाग द्वारा तिलहन मिशन अंतर्गत 12 हितग्राहियों को 5-5 किलो सरसो बीज का वितरण किया गया। इसी प्रकार उद्यानिकी विभाग द्वारा धरती आबा अभियान के तहत ग्राम दांती निवासी श्री परस्या आदिवासी को 42 हजार 101 रुपये की अनुदान राशि का लाभ देते हुए स्प्रिंकलर सेट प्रदाय किया गया।

पशुपालन विभाग की योजनाओं में 05 हितग्राही लाभान्वित

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना में 2 लाख 95 हजार की यूनिट के लिए श्री राजू जाटव चकरामपुरा को लाभान्वित किया गया, योजना के तहत 50 प्रतिशत सबसिडी पर दो भैंस प्रदाय की जायेगी। इसी प्रकार मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना अंतर्गत 2 लाख 50 हजार 970 रुपये की यूनिट के लिए श्री जगु आदिवासी को लाभान्वित किया गया, इसके तहत शासन द्वारा 90 प्रतिशत सबसिडी प्रदाय की गई है। आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना में खिरखिरी निवासी श्रीमती पूनम पत्ति श्री ओमप्रकाश को 6 लाख रुपये की 6 मुर्दा भैंस यूनिट का लाभ दिया गया। इसके साथ ही दो हितग्राही श्री दौलत यादव बाढ एवं श्रीमती सोमवती यादव राहौरन को पशुपालन अंतर्गत क्रमशः 1 लाख 92 रुपये की राशि तथा 1 लाख 86 हजार रुपये की राशि की केसीसी का लाभ प्रदान किया गया।

समूहों को 6 का सीसीएल राशि का वितरण

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान एनआरएलएम अंतर्गत संचालित जमुना आजीविका समूह ग्राम करियादेह को 6 लाख रुपये की सीसीएल राशि का वितरण किया गया।

स्वास्थ्य एवं आयुष शिविर का आयोजन

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य एवं जाँच शिविर के दौरान 117 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क उपचार प्रदान किया गया, इसके साथ ही टीबी नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 27 रोगियों के एक्स- रे भी किए गए। 26 लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई, इसी प्रकार आयुष विभाग द्वारा आयोजित शिविर के माध्यम से 42 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आयुर्देदिक एवं होम्योपैथिक दवाएं प्रदान की गई।

## उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण, विक्रेता को नोटिस जारी करने के निर्देश

इथोपुर, जीएनएस। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के क्रम में आज खिरखिरी स्थित उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया गया तथा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत निशुल्क खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था का आंकलन किया गया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम श्री विजय शाक्य, फूड आफिसर श्री बृजपाल गुर्जर आदि आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा उचित मूल्य दुकान के निरीक्षण के दौरान पीओएस मशीन बंद पाये जाने पर विक्रेता



श्री कमल गुर्जर को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा खाद्य विभाग के अधिकारियों को पीओएस मशीन के ऑनलाइन वितरण तथा स्टॉक मिलान के निर्देश दिये गये। इस दौरान उन्होंने उपभोक्ताओं से चर्चा

करते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत प्राप्त हो रहे खाद्यान्न के संबंध में भी जानकारी ली गई।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा आंगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण किया गया तथा महिला

बाल विकास अधिकारी श्री श्यामबाबू खरे को किराये के भवन में संचालित आंगनबाडी केन्द्र को वैकल्पिक रूप से पंचायत भवन में शिफ्ट करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम खिरखिरी में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्थापित नलजल योजना का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों से चर्चा कर जल प्रदाय व्यवस्था का आंकलन किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त योजना के माध्यम से गांव में 800 के लगभग नल कनेक्शन के माध्यम से सतत रूप से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से जलकर समय पर जमा करने की अपील भी की। उन्होंने नव निर्मित पंचायत भवन का अवलोकन भी किया।

### आम सूचना

पारिवारिक संबंध एवं दायित्वों के संबंध में सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, पंकज राठौर, पिता श्री राजकुमार राठौर, माता स्वर्गीय श्रीमती आरती राठौर, निवासी न्यू द्वारिकापुरी कॉलोनी, शिवपुरी, थाना कोतवाली, तहसील एवं जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश), एक शांतिप्रिय एवं जिम्मेदार नागरिक हूँ तथा निजी नौकरी करके अपने एवं अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूँ।

यह कि मेरे भाई सचिन राठौर, बहिन कु. रिकी राठौर, पिता श्री राजकुमार राठौर, चाचा श्री राकेश राठौर, चाची श्रीमती सुरेखा राठौर, दादा श्री रामजीलाल राठौर एवं दादी श्रीमती रामप्यारी राठौर, निवासी कटरा मोहल्ला, पुरानी शिवपुरी, थाना देहात, तहसील एवं जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश) से विगत कई महीनों से मेरा कोई संपर्क, बातचीत अथवा किसी प्रकार का लेन-देन नहीं है। मेरे कथनानुसार, उक्त व्यक्तियों से मेरे पारिवारिक एवं व्यक्तिगत संबंध वर्तमान में नहीं हैं तथा हमारा आपस में कोई नियमित संपर्क नहीं है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले किसी भी कार्य, लेन-देन, आर्थिक व्यवहार अथवा अन्य गतिविधि के संबंध में मुझे या मेरी पत्नी श्रीमती प्रियंका राठौर को जिम्मेदार अथवा उत्तरदायी नहीं माना जाए। इसी प्रकार, मेरे अथवा मेरी पत्नी श्रीमती प्रियंका राठौर द्वारा किए जाने वाले किसी भी कार्य, लेन-देन, आर्थिक व्यवहार अथवा अन्य गतिविधि के संबंध में उपरोक्त व्यक्तियों को जिम्मेदार अथवा उत्तरदायी नहीं माना जाए।

यह सार्वजनिक सूचना भविष्य में किसी भी प्रकार की गलतफहमी, विवाद अथवा अनावश्यक दावे से बचने के उद्देश्य से प्रकाशित कराई जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के कृत्यों एवं दायित्वों के संबंध में उत्तरदायित्व का निर्धारण लागू कानून एवं वास्तविक तथ्यों के अनुसार होगा।

दिनांक- 23/10/2026

सूचनाकर्ता-

पंकज राठौर

पिता का नाम- श्री राजकुमार राठौर

माता का नाम- स्वर्गीय श्रीमती आरती राठौर

वर्तमान पता- न्यू द्वारिकापुरी कॉलोनी, शिवपुरी, जिला शिवपुरी, मध्य प्रदेश

मोबाइल- 9685997117

## गुरु देव चैरिटेबल ट्रस्ट ने आयोजित किया 105वां नेत्र परीक्षण एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर नेत्र शिविर में 60 मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण

**ग्वालियर जीएनएस**  
गुरु देव चैरिटेबल ट्रस्ट ग्वालियर की ओर से आशा देवी जैन की स्मृति में 105वां नेत्र परीक्षण एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया। रतन ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट ग्वालियर के सहयोग से आयोजित शिविर में 180 लोगों की आंखों की जांच की गई, जबकि 60 मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण किया गया।

शिविर का शुभारंभ गोहद के संत रामसेवकदास और जिला सत्र न्यायालय के दिनेश गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संत रामसेवकदास ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। कार्यक्रम में अशोक जैन, रामबाबू अग्रवाल और राजीव भार्गव ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन अशोक शर्मा ने किया।



**समाजसेवी अनूप जौहरी बोले—ड्यूटी पर तैनात लापरवाह पुलिसकर्मियों पर हो सख्त कार्रवाई**

## शीतला माता मंदिर हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

**ग्वालियर जीएनएस**  
शीतला माता मंदिर में हुए हादसे में मृत श्रद्धालुओं की आत्मशांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के साथ रविवार को गांधी प्राणी उद्यान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। वरिष्ठ समाजसेवी एवं आत्मनिर्भर ट्रस्ट नई दिल्ली के राष्ट्रीय सलाहकार और आरटीआई कार्यकर्ता अनूप जौहरी के नेतृत्व में आयोजित सभा में दिव्यांगजन और अन्य लोगों ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दिवंगत श्रद्धालुओं की आत्मशांति के लिए ओम शांति का जाप किया गया। साथ ही शोकाकुल परिवारों को दुख सहन करने की शक्ति देने और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई। सभा में वरिष्ठ समाजसेवी रामधन सिंह राठौर के दिवंगत पिता को भी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अनूप जौहरी ने कहा कि हादसे के लिए



ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान और पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह को दोषी ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर में

ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण यह गंभीर हादसा हुआ। उन्होंने संबंधित

पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

जौहरी ने कहा कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने शहर में कई संवेदनशील परिस्थितियों में सूझबूझ से काम लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने में भूमिका निभाई है। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा से जुड़े विवाद सहित अन्य मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों के योगदान को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

श्रद्धांजलि सभा में परमाल सिंह कुशवाहा, जीतू यादव, आदिल खान, मनोज भिलवार, अनूप परिहार, सागर, राजेंद्र मिश्रा, मनीष शिवहरे, मनीष शर्मा, प्रमोद शर्मा, लच्छी नरवरिया, घनश्याम माहोर, नासिर हुसैन, बलविंदर सरदार, दिनेश मोरे, हमीद खां उस्मानी और देवेन्द्र वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## दारुल कुरआन मदरसे के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की मांग

**ग्वालियर जीएनएस**  
अखिल भारत हिंदू महासभा ने ग्वालियर में एजी ऑफिस के पास स्थित दारुल कुरआन मदरसे के कथित अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने की मांग की है। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भेजकर मदरसे के निर्माण की जांच कराने और अवैध पाए जाने पर बुलडोजर चलाने की मांग की है।

महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू सेन, संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता और जिला अध्यक्ष लोकाश शर्मा ने पत्र में मदरसे में मिली बच्चियों की पहचान और उनके परिजनों का पता लगाने के लिए डीएनए जांच कराने की मांग भी की है। संगठन ने आशंका जताई है कि इनमें मध्यप्रदेश से लापता बच्चियां भी हो सकती हैं। इसके साथ ही मदरसे

**हिंदू महासभा ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर तीन दिन में कार्रवाई की मांग की, आंदोलन की चेतावनी**

से जुड़े गुड्डू वारसी सहित अन्य लोगों की संपत्तियों की जांच कराने की मांग की गई है।

पत्र में मध्यप्रदेश में संचालित सभी मदरसों की जांच कर अवैध रूप से संचालित पाए जाने वाले मदरसों के संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग भी उठाई गई है। महासभा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर मदरसे के खिलाफ सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगा।

**45.24 लाख रुपए से बनेगी डामरीकृत सड़क**

## ग्वालियर दक्षिण में जारी रहेंगे विकास कार्य : मंत्री कुशवाहा



**ग्वालियर जीएनएस**  
ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार जारी रहेगी। सरकार क्षेत्र की प्रत्येक बस्ती में सड़क, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने रविवार को वार्ड-44 के खुर्जेवाला मोहल्ला, दौलतगंज में सड़क निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री अधोसंरचना मंद

से 45.24 लाख रुपए की लागत से बनने वाली डामरीकृत सड़क का भूमिपूजन मंत्री कुशवाहा ने कन्या पूजन और मशीन पूजन के साथ किया। सड़क का निर्माण दौलतगंज में नमकीन की दुकान से मैथलीशरण गुप्त चौराहे होते हुए खुर्जेवाला मोहल्ले तक किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पार्षद यामिनी परांडे, कनवर मंगलानी, कमल माखीजानी, प्रिंस मझवार और रामबाई पाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

**अग्रवाल परिचय सम्मेलन में 230 परिवारों ने एक छत के नीचे तलाशे जीवनसाथी**

## अग्रवाल समाज सेवा के क्षेत्र में सबसे अग्रणी : अशोक शर्मा

**ग्वालियर जीएनएस**  
अग्रवाल परिचय सम्मेलन का 142वां आयोजन मानस भवन, फूलबाग में हुआ। सम्मेलन में 230 परिवारों ने एक छत के नीचे विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए रिश्तों की तलाश की। कार्यक्रम में समाजसेवा, आपसी सहयोग और रिश्तों को जोड़ने के महत्व पर वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साडा प्राधिकरण ग्वालियर के अध्यक्ष अशोक शर्मा, मध्यप्रदेश कांग्रेस के महामंत्री सुनील शर्मा, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष विनय जैन और युवा भाजपा के कोषाध्यक्ष अंकित बंसल रहे। अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश



ऐरन ने की।

अशोक शर्मा ने कहा कि अग्रवैश्य समाज ने देशभर में सैकड़ों अस्पताल और धर्मशालाएं बनाकर सेवा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान दिया है। सुनील शर्मा ने

कहा कि निस्वार्थ सेवा व्यक्ति को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है। विनय जैन ने कहा कि रिश्तों को जोड़ना सबसे पवित्र सामाजिक कार्य है। राजेश ऐरन की टीम कई वर्षों से इस दिशा में लगातार काम

कर रही है। अंकित बंसल ने कहा कि परिचय सम्मेलन की शुरुआत ग्वालियर से हुई और अब इसके माध्यम से देशभर में अनेक परिवारों को जोड़ने का काम किया जा रहा है।

सम्मेलन में मंच से परिचय कराने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष नीलम शाह, ज्योति अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, पदमा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, मुकेश सिंघल और अनिल गर्ग ने निभाई।

कार्यक्रम में दिनेश बंसल, मोनू गोयल, विनोद अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल, राधाकृष्ण अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, गोपाल जैन सहित बड़ी संख्या में अग्रबंधु उपस्थित रहे।

### NAME CHANGE

I, ALOK SHRIVAS S/O MAHESH SHRIVAS resident of NEAR RATHAUR COLONY, WARD NO. 4, BHEEM NAGAR, BHIND (M.P.) it is informed to public at large that in all of my documents my father name is MAHESH SHRIVAS but my father was used to write his name is MAHESH KUMAR SHRIVAS Which is mentioned on all of his documents. Both these name-MAHESH SHRIVAS and MAHESH KUMAR SHRIVAS - belong to my one and only father. Therefore, after this information, my father's name should be read and recorded as MAHESH SHRIVAS in place of MAHESH KUMAR SHRIVAS in all of my documents.  
Old Name : ALOK SHRIVAS New Name : ALOK SHRIVAS  
S/O MAHESH KUMAR SHRIVAS S/O MAHESH SHRIVAS

### SURNAME CHANGE

My Current name is YASHWANT BAIRWA S/O PRAHLAD BAIRWA, and this is the name recorded in all my official documents. I am now changing my surname from BAIRWA to JATAV. Therefore, following the publication of this notice, my name in all my official documents should be updated and recorded as YASHWANT JATAV S/O PRAHLAD JATAV, in place of YASHWANT BAIRWA S/O PRAHLAD BAIRWA.  
OLD NAME : Yashwant Bairwa S/O PRAHLAD BAIRWA  
NEW NAME : YASHWANT JATAV, S/O PRAHLAD JATAV Near Hanuman Mandir, Salapura, Sheopur (M.P.)